केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 20 गुरूवार 8 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बारिश से मुहल्लों में जल जमाव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती शहर में बुधवार को झमाझम बारिश से विभिन्न मोहल्लों की सड़कों पर जल–जमाव की स्थिति बन गई। इससे बच्चों, महिलाओं व कामकाजी लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के अलावा हर्रैया, कप्तानगंज क्षेत्र में भी अच्छी बारिश का सिलसिला बुधवार को जारी रहा। वाल्टरगंज समेत अन्य इलाकों में रिमझिम बारिश होने से मौसम काफी खुशनुमा बन गया। मौसम के मिजाज ने किसानों को भी बड़ी राहत दी है। न्यूनतम तापमान का पारा 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। जिले में सोमवार से मौसम का मिजाज बदला है। शहर समेत विभिन्न इलाकों में रूक–रूक हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी है। शहरी क्षेत्र में सुबह पौने दस बजे तक बारिश के बाद आसमान में बादल छाए रहे। स्कूली बच्चों को भी इससे परेशानी का सामना करना पड़ा। बुधवार को अधिकतम तापमान का पारा भी 30 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़कने का अनुमान है।

उपभोक्ता भवन का शिलान्यास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, बस्ती के उपभोक्ता भवन का शिलान्यास न्यायमूर्ति/अध्यक्ष राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, लखनऊ अशोक कुमार के द्वारा बुधवार, को सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर निबन्धक राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, लखनऊ, .मो. राशिद (एच.जे.एस.),सदस्य अजय प्रकाश, जनपद न्यायाधीश बस्ती, सीजीएम बस्ती, जिला अधिकारी रवीश गुप्ता ,अध्यक्ष जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अमर जीत वर्मा, पूर्व सदस्य मध्यस्थ महादेव प्रसाद दुबे, उपभोक्ता न्यायालय के समस्त कर्मचारीगण एवं सिविल बार के अध्यक्ष बद्री प्रसाद दुबे, महामंत्री दयाशंकर दुबे गंगवार, अध्यक्ष शेषनाथ पाठक, जनपद बार के अध्यक्ष जवाहर मिश्रा, शासकीय अधिवक्ता सिविल, शासकीय अधिवक्ता क्रिमिनल, शासकीय अधिवक्ता रिवेन्यू, तमाम अधिवक्तागण उपस्थित रहे। अपर जिला मजिस्ट्रेट, एसडीएम सदर, जीसी क्रिमिनल बीजी सिविल जीसी लखनऊ आचार्य पंडित अर्जुन त्रिपाठी के देखरेख में भूमि पूजन संपन्न हुआ।

रोजगार मेला 9 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा ने बताया है कि 9 अगस्त को क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय /माडल कॅरियर सेन्टर बस्ती के द्वारा एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन पूर्वान्ह 10,00 बजे से स्थान– क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय कैम्पस कटरा मूड़घाट रोड बस्ती में किया जा रहा है। इस मेले में प्रतिष्ठित कम्पनी श्री राम पिस्टन एंड रिंग्स लिमिटेड गाजियाबाद कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से (उत्पादन/ संचालक/ असेंबली विभाग) आदि पदों पर भर्ती करने हेतु आ रही है । उन्होंने बताया है कि निर्धारित योग्यता 12 वीं पास अथवा आईटीआई पास (फिटर, मशीनिस्ट, टर्नर ट्रेड मे) केवल पुरुष वर्ग, निर्धारित आयु 18 से 30 वर्ष तक ही होनी चाहिए।

नये शरण की तलाश में हैं शेख हसीना

नई दिल्ली (आभा)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का फ्यूचर प्लान क्या है, इस बारे में फिनलैंड को कोई जानकारी नहीं है। फिनलैंड के विदेश मंत्रालय ने उन रिपोर्ट्स पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उनके यूरोपीय देश जाने का दावा किया जा रहा था. शेख हसीना के शरण के लिए फिनलैंड को एक विकल्प के रूप में माना जा रहा है, लेकिन यहां के मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं, और हिंडन एयर बेस पर सेफ हाउस में रह रही हैं. बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हसीना भारत आ गई थीं और गाजियाबाद के हिंडन बेस पर ही लैंड की थी. इसके बाद से वह यहीं रह रही हैं लेकिन उनके लिए दूसरे किसी सेफ हाउस की तलाश की जा रही है।

शेख हसीना के बेटे साजिब वाजेद ने बीते दिन इस बात से इनकार किया था कि वह किसी देश में शरण लेने जा रही हैं. उन्होंने इस बात से इनकार किया था कि उन्होंने किसी देश को इसके लिए अप्रोच भी किया है. उनका कहना था कि पूरा परिवार विदेशों में रहता है और वह अपने पोते–पोतियों से मिलने किसी भी देश में जा सकती हैं. उन्होंने शरण की मांग वाली खबरों को अफवाह करार दिया था।

शेख हसीना के भारत से किसी और देश में शरण के लिए जाने के मुद्दे पर भारतीय मीडिया में दावा किया जा रहा था कि उन्होंने ब्रिटेन में शरण के लिए अप्लाई किया है. हालांकि, स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में भारतीय मीडिया के हवाले से ही कहा जा रहा है कि शेख हसीना सऊदी अरब और यूनाइटेड अरब अमीरात को भी विकल्प मान रही हैं, जहां वह शरण लेने की कोशिश कर सकती हैं।

शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह आगे भी भारत में ही रहेंगी.।

विनेश फोगाट वजन बढ़ने के कारण अयोग्य घोषित

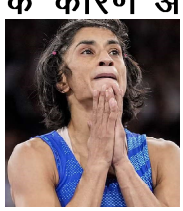

नई दिल्ली (आभा)। ओलंपिक के कुश्ती मुकाबले में गोल्ड, सिल्वर मेडल की दहलीज तक पहुंची विनेश फोगाट को वजन बढ़ने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया है। इस बड़ी घटना से देश के लोगों में गुस्सा देखा जा रहा है। विपक्षी नेताओं ने इस मामले में कोई बड़ी साजिश होने की आशंका जताई है। मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग हो रही है। चंडीगढ़ प्रशासन में कुश्ती कोच दर्शन पाराशर कहते हैं, विनेश फोगाट के साथ हुई यह घटना हैरान और दुखी करने वाली है। ओलंपिक में विनेश, गोल्ड तक पहुंच सकती थी। इस मामले में कहीं तो चूक हुई है। इसके लिए केवल पहलवान जिम्मेदार नहीं होता। कोच व तकनीकी टीम भी साथ रहती है। देखने वाली बात यह है कि किसके स्तर पर जिम्मेदारी में कोताही बरती गई है। कोई तो है जो अपनी जिम्मेदारी पूरी करने में फेल रहा है।

बता दें कि पहले विनेश फोगाट, 53 किलोग्राम के वेट में खेलती थीं। बाद में वे पचास किलोग्राम पर आई थीं। ओलंपिक में विनेश ने छह अगस्त की रात को महिला कुश्ती के 50 किलोग्राम के भार वर्ग मुकाबले में क्यूबा की पहलवान को शिकस्त दी थी। इसके बाद विनेश की तरफ से गोल्ड या सिल्वर मेडल जीतने की उम्मीद बंध गई थी। कुश्ती के कोच दर्शन पाराशर कहते हैं, ओलंपिक में वजन का बहुत अहम रोल होता है। कई बार खिलाड़ी की लापरवाही की वजह से वजन कम या ज्यादा हो जाता है। हालांकि जो खिलाड़ी, ओलंपिक में गोल्ड, सिल्वर जीतने की दहलीज पर पहुंच गई हो, वहां पर ऐसी लापरवाही, चूक हो, ऐसी संभावना न के बराबर है। खुद पहलवान भी बहुत गंभीर रहता है।

पहाड़ों में घुसा हेलीकाप्टर, नेपाल में 5 के मौत की आशंका

काठमाण्डू (आभा)। नेपाल की राजधानी काठमांडू के उत्तर–पश्चिमी पर्वतीय क्षेत्र में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया । इस हेलिकॉप्टर में 5 लोग सवार थे। सभी लोगों के मारे जाने की आशंका है। एक महीने से भी कम समय में नेपाल में यह दूसरी हेलिकॉप्टर क्रैश की घटना सामने आई है। नेपाल पुलिस ने बताया, 'हमें जानकारी मिली है कि एक हेलिकॉप्टर, जो कि पहाड़ी क्षेत्र में उड़ान भर रहा था, दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इस हेलिकॉप्टर में पांच लोग सवार थे। बचाव दल को तुरंत मौके पर भेजा गया है और हम दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं।'

नेपाल के कठिन भौगोलिक क्षेत्र और बदलते मौसम के कारण यहां हवाई दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। हालांकि, लगातार दो हफ्तों में हुई दुर्घटनाएं बेहद चिंता का विषय हैं।

शिक्षामित्र से शिक्षक बने शिक्षकों के पुरानी पेंशन विकल्प को लेकर बीएसए को सौपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह और मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में पदाधिकारियों, शिक्षकों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने शिक्षामित्र से शिक्षक बने शिक्षकों के पुरानी पेंशन विकल्प को लिए जाने को लेकर बीएसए को ज्ञापन सौपा।

बीएसए को ज्ञापन सौंपने के दौरान वार्ता में जिला अध्यक्ष चंद्रिका सिंह व मंत्री बालकृष्ण ओझा ने बताया कि वर्ष 2001 के बाद नियुक्त शिक्षा मित्रों में से कई शिक्षामित्रों की नियुक्ति शिक्षको के रूप में गुणांक का लाभ पाकर शिक्षक के पद पर हुई है । सरकार द्वारा वर्ष 2005 के पूर्व के नियुक्ति पाए शिक्षकों को पुरानी पेंशन के श्रेणी में भेज रही है । इसी क्रम में शिक्षामित्र ने भी वर्ष 2001 से अपनी सेवा निरंतर दी है और इस सेवा के फल स्वरूप उन्हें वर्ष 2015 और 2018 में गुणक के आधार पर शिक्षक बनाया गया है इसलिए वह शिक्षक भी पुरानी पेंशन पाने के हकदार हैं।

-समस्याओं का प्राथमिकता से हो निस्तारण-चन्द्रिका सिंह

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह और मंत्री बालकृष्ण ओझा ने बीएसए से आग्रह किया कि शिक्षामित्र से शिक्षक बने शिक्षकों के पुरानी पेंशन विकल्प को लिए जाने को लेकर आ रही बाधाओं का प्राथमिकता से निस्तारण कराया जाय।

इसी क्रम में बड़ी संख्या में शिक्षामित्र से शिक्षक बने शिक्षकों ने पूर्व में भेजे गए कई न्यायालय आदेश व अन्य विभागों के आदेश सहित ज्ञापन बीएसए को सौपा । बीएसए ने जल्द ही उचित कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है । ज्ञापन सौंपने वालों में कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, सुधीर तिवारी, गुरु चरण ,शिवनाथ चौधरी,चंदन पांडेय, अनूप सिंह,घनश्याम चौधरी, राजेन्द्र कुमार, सनद पटेल ,सुरेश गौड़ आदि शामिल रहे।

भाजपा सभी बूथों पर मनाएगी आजादी का पर्व, निकलेगी तिरंगा यात्रा'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय पर हुई पार्टी की जिला स्तरीय कामकाजी बैठक में पूरे जिले में हर घर तिरंगा अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत स्वतंत्रता दिवस से पहले जिले के प्रत्येक घरों में तिरंगा लगाने का काम भाजपा कार्यकर्ता करेंगे। तिरंगे और राष्ट्र के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 11, 12 और 13 अगस्त को जिले भर में तिरंगा रैलियां निकाली जाएंगी। बैठक में मौजूद प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल व पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने अभियान के बारे में विस्तार से चर्चा किया।

प्रदेश भाजपा महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल ने कहा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी जी के मार्ग दर्शन में 11, 12, व 13 अगस्त, 2024 तक प्रत्येक विधानसभा में तिरंगा यात्रा का आयोजन युवा मोर्चा के नेतृत्व में होगा। 12–14 अगस्त, 2024 महापुरूषों की प्रतिमा एवं स्मारकों के

आस–पास स्वच्छता का कार्यक्रम करेंगे। 13–14 अगस्त, 2024 भारत माता के वीर सपूतों ध् महापुरूषों की प्रतिमाओं एवं स्मारकों पर माल्यार्पण करेंगे। 13, 14 व 15 अगस्त, 2024 तक प्रत्येक कार्यकर्ता जन–जन से सम्पर्क करके प्रत्येक घर एवं व्यवसायिक केन्द्रों पर हर घर तिरंगा फहराने हेतु अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा इन कार्यक्रमों में बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित कर उनसे ध्वजारोहण कराया जाय जिससे वे राष्ट्रीय एकता की भावना से ओतप्रोत रहें। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस है। भारत का विभाजन तथा अभूतपूर्व मानव विस्थापन एवं मजबूरी में पलायन की दर्दनाक कहानी है। इस अवसर पर जिला केंन्द्रो पर संगोष्ठी करते हुए विभाजन के काले अध्याय को याद करते हुए लाखों की संख्या में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि दी जायेगी। संगोष्ठी समापन के पश्चात् सभी कार्यकता पार्टी कार्यालय से गांधीनगर तक मौन जुलूस निकालते हुए कार्यक्रम का समापन करेंगे।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने हर घर तिरंगा अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि हमारी पार्टी में हर बूथ पर कार्यकर्ता हैं, इसलिए हर बूथ पर लोगों को शामिल करके आजादी के त्योहार को आनंद के साथ मनाया जाना चाहिए।

मौके पर क्षेत्रीय संयोजक सिद्धार्थ शंकर पाण्डेय, राजेंद्र गौड़, राजेन्द्र नाथ तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, राजेश पाल चौधरी, दयाराम चौधरी, पवन कसौधन, यशकांत सिंह, सुशील सिंह, महेश शुक्ल, प्रमोद पाण्डेय, भानु प्रकाश मिश्र, राम सिंगर ओझा, अमृत कुमार वर्मा, रोली सिंह, मनोज ठाकुर, रवि सिंह, रघुनाथ सिंह, चन्द्र शेखर मुन्ना, अरविन्द पाल, जटा शंकर शुक्ल, गजेन्द्र सिंह, प्रत्युष सिंह, अरविन्द श्रीवास्तव, मनमोहन श्रीवास्तव काजू, वागीश सिंह, गौरव अग्रवाल, अवनीश सिंह, सुजीत सोनी, अतुल यादव, दिलीप भट्ट, अखिलेश शुक्ल, रवि तिवारी, श्रुति अग्रहरी, बाल कृष्ण तिवारी, अभिषेक कुमार, राकेश श्रीवास्तव, दुष्यंत सिंह, दिलीप पाण्डेय, सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बहादुर बच्चों ने असंभव को संभव बना दिया- खालिदा जिया

ढाका (आभा)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया जेल से रिहा हो गई हैं। खालिदा कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से घर में नजरबंद थीं। रिहाई होते ही उन्होंने सबसे पहले बांग्लादेश के प्रदर्शनकारियों को 'बहादुर' बताते हुए धन्यवाद कहा। खालिदा जिया ने कहा कि 'बहादुर बच्चों ने असंभव को संभव बना दिया।' बता दें कि बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने

कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री पद से शेख हसीना का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को रिहा करने का भी आदेश दिया था।

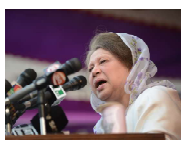

जेल से रिहा होने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में, खालिदा जिया ने अपने देशवासियों से 'एक ऐसा लोकतांत्रिक बांग्लादेश बनाने का आग्रह किया, जहां सभी धर्मों का सम्मान किया जाता हो'। बांग्ला में एक वीडियो संदेश में, खालिदा जिया ने कहा, 'आप सभी मेरे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना कर रहे थे। मैं स्वस्थ हूं।

शहीदों के परिजनों के साथ विधायक अजय सिह ने किया 18 स्मृति द्वारों का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधानसभा के परशुरामपुर विकासखण्ड के अंतर्गत 1 करोड़ 49 लाख की लागत से बने 18 स्मृति द्वारों का उद्घाटन बुधवार को किया गया। हरैया विधायक अजय सिंह ने संबंधित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं महापुरुषों के परिजनों को सम्मानित करके और उनके साथ स्मृति द्वारों का उद्घाटन किया।

परशुरामपुर विकासखण्ड के मड़रिया चौराहे पर सरदार वल्लभभाई पटेल स्मृति द्वार, नारायणपुर में काली प्रसाद स्मृति द्वारा, जगदीशपुर में मोतीलाल कुर्मी स्मृति द्वार, भैसहा में अमर सिंह स्मृति द्वार, अहिरौली में गोमती पाण्डेय स्मृति द्वार, सलेमपुर पाण्डेय में देवता कुमार स्मृति द्वार, परशुरामपुर में गया प्रसाद स्मृति द्वार, तलहवापुर में युगल सिंह स्मृति द्वार, ब्लॉक के बगल महावीर कलवार गुप्ता एवं ईदन बख्श स्मृति द्वार, सिकंदरपुर रोड पर माता प्रसाद गुप्ता तथा रामबरन स्मृति द्वार, बरहापुर पाण्डेय में युगल किशोर गुप्ता, ज्ञान दास गुप्ता तथा रामबरन गुप्ता स्मृति द्वार, धर्मपुर में जानकी सिंह और झिनकाई सिंह स्मृति द्वार, ठाकुरपुर में रामकिशोर स्मृति द्वार, मखौड़ा धाम पर भगवान श्री राम की उद्भावस्थली मखधाम मखौड़ा द्वार, टेढ़ाघाट महाराजा बिजली पासी स्मृति द्वार, कोहरायें चौराहा पर डॉ भीमराव अंबेडकर स्मृति द्वारा, जगदीशपुर में

पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप नारायण पाण्डेय (कोट साहब) स्मृति द्वार सहित कुल 18 स्मृति द्वारों का उद्घाटन किया गया। विधायक अजय सिंह ने कहा कि देश के महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा देश के लिए किए गए त्याग, बलिदान और उनका जो देश की रक्षा में योगदान रहा है उसके लिए हम सभी देशवासी आजीवन ऋणी हैं। देश की आजादी में शहीदों का बहुत बड़ा योगदान रहा है उन्हीं के साहस और पराक्रम के कारण पूरे देशवासी आजादी की सांस ले रहे हैं।

इस अवसर पर श्रवण तिवारी, अरविंद सिंह, अखिलेश सिंह, राममणि मिश्र, पंकज मिश्रा, सोनू सिंह, विनोद गुप्ता, राम ललित पाण्डेय, वीरू सिंह, बिक्कू जगत मोहन सिंह, पप्पू वर्मा, पंचम वर्मा, सुनील त्रिपाठी, अभिषेक सिंह, नंदन सिंह, बृजेश मिश्र कन्हैया गुप्ता, बड़े सिंह, योगेन्द्र तिवारी, रंजय कनौजिया, रघुनाथ सिंह, जय प्रकाश सिंह, अनजान सिंह, सरोज मिश्र बाबा, सिद्धांत मिश्र, आशीष गुप्ता, शिखर सिंह, अतुल तिवारी, मुकेश वर्मा, अखिलेश पाण्डेय, अनुराग सिंह, प्रियांशु सिंह, भरत सिंह, निर्मल सिंह, सुधांशु पाण्डेय, सुनील वर्मा, मनोज सिंह, पप्पू वर्मा, रणबहादुर सिंह, राम औतार पटवा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

204 शिक्षकों का मिला गणित किट प्रशिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में बुधवार को प्रथम बैच के 204 शिक्षकों का तीन दिवसीय गणित किट प्रशिक्षण संपन्न हुआ। सभी प्रतिभागी शिक्षकों को प्रशिक्षण संबंधी प्रमाण पत्र दिया गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने प्रतिभागी शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण सही मायने में तभी सार्थक है जब गणित किट का सही प्रयोग कक्षाओं में किया जाय। इसलिए हमें पूर्ण विश्वास है कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में आप सबने गणित किट के उपयोग के बारे में जो सीखा है उसे अपनी कक्षाओं तक पहुंचाकर प्रशिक्षण के उद्देश्य को पूरा करेंगे। प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता अलीउद्दीन खान ने कहा कि प्रशिक्षकों द्वारा गणित किट के संबंध में जो सिखाया गया है वह बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए इसे अपने–अपने विद्यालयों मे उतारकर बुनियादी शिक्षा को और मजबूत करें। प्रशिक्षण के अन्तिम दिन संदर्भदाता हरेंद्र यादव, बालमुकुंद और अनूप

-किट का सही प्रयोग करें शिक्षक- संजय शुक्ल

सिंह ने ज्यामिति आकृतियों की पहचान एवं निर्माण, क्षेत्रमिति की अवधारणा, तार्किक चिंतन, गतिविधियां, समेकन आदि के बारे विस्तृत जानकारी दिया।

इस अवसर पर डॉ गोविन्द प्रसाद, शशिदर्शन त्रिपाठी, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, वन्दना चौधरी, रविनाथ त्रिपाठी, इमरान खान, कल्याण पाण्डेय, कुलदीप चौधरी, अमनसेन, विवेक कान्त पाण्डेय, कुलदीप सिंह, रत्नेश कुमार गुप्ता, पीयूष मिश्र, लवकुश त्रिपाठी, गोपाल दूबे, सचिन पाण्डेय, मधुसूदन तिवारी, अरुण दूबे, शिव कुमार त्रिपाठी, धनंजय दूबे, रजनीश शर्मा, विवेक कुमार, मेराज अहमद, विजय चौधरी, निशांत मिश्र, मो. सलाम, संजय, लाल महेश मौर्या, शशिकांत, अंशू शुक्ला, ममता गुप्ता, अज्ञाराम वर्मा, मधु वर्मा, राजेश कुमार यादव आदि उपस्थित रहे ।

पुण्य तिथि पर याद किये गये गांधीवांदी विचारक वंशीधर दूबे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रसिद्ध गांधीवांदी विचारक कला प्रसार समिति के पूर्व उप सभापति वंशीधर दूबे को उनके तेरहवीं पुण्य तिथि पर याद किया गया। बुधवार को समिति की सदस्य सीमा तिवारी के संयोजन में समिति पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गांधी कला भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बापू प्रतिमा को नमन् किया।

माल्यार्पण के बाद एक गोष्ठी आयोजित कर वंशीधर दूबे के योगदान को याद किया गया। वीरेन्द्रनाथ पाण्डेय, ओम प्रकाश लाल श्रीवास्तव, अमरनाथ शुक्ला, गौरवमणि त्रिपाठी आदि ने कहा कि वंशीधर दूबे ने गांधी कला भवन को आधार बनाकर बापू के विचारों से लोगों को जोड़ने का आखिरी क्षण तक अपना प्रयास जारी रखा। वे प्रसिद्ध गांधीवादी थे। आज गांधी कला भवन को विकास प्राधिकरण का कार्यालय बना दिया गया है, इसके बाद से ही वैचारिकी का प्रमुख स्थल हाशिये पर है। इसके

बावजूद प्रसिद्ध गांधीवादी वंशीधर दूबे का योगदान सदैव याद किया जायेगा।

विनय दूबे, शिवाकान्त तिवारी, गगन मिश्र, सूर्यकान्त त्रिपाठी, विवेक पाल, विद्या प्रसाद पाण्डेय, आदि ने बंशीधर दूबे के योगदान को स्मरण करते हुये कहा कि वे आखिरी क्षणों तक महात्मा गांधी के विचारों को जन–जन से जोड़ने के लिये प्रयत्नशील रहे ।

वंशीधर दूबे को नमन् करने वालों में श्रीमती सीमा, पूनम, रश्मि, पद्मेश, उदय स्वरूप, गणेश प्रसाद, सन्तोष कुमार पाण्डेय, विनय कुमार श्रीवास्तव, गिरीश चन्द्र मिश्र, पं. चन्द्रबली मिश्र, दीनानाथ यादव, यजत, पल्टूराम, बब्लू पाण्डेय, विद्या सागर पाण्डेय आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 अगस्त 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

दक्षिणपंथी हिंसा की लहर

ब्रिटेन में दक्षिणपंथी हिंसा की लहर के बीच आप्रवासियों व मुस्लिमों को निशाना बनाया जाना बेहद चिंता का विषय है। सोशल मीडिया के जरिये भ्रामक प्रचार से समूह विशेष पर हमले ब्रिटिश समाज में विकट होती स्थिति को दर्शाता है। दरअसल, गत 29 जुलाई को साउथपोर्ट में टेलर स्विफ्ट की थीम डांस पार्टी में तीन बच्चियों की नृशंस हत्या के बाद ब्रिटेन के कई शहरों में दंगे भड़क उठे। इस घटना में दो वयस्कों के साथ कई अन्य बच्चे भी घायल हुए थे। इसके बाद पूरे ब्रिटेन में दक्षिणपंथी आंदोलनकारियों ने इस घटना का इस्तेमाल नफरत को बढ़ावा देने और अराजकता भड़काने में किया। कालांतर में हिंसा महज विरोध प्रदर्शनों तक ही सीमित नहीं रही। दुकानें लूट ली गईं, कारों को आग लगा दी गईं, मस्जिदों और एशियाई स्वामित्व वाले व्यवसायों को निशाना बनाया गया। यह चिंताजनक स्थिति ब्रिटिश समाज में पैर पसारती मानसिक रुग्णता को ही दर्शाती है। दरअसल, ब्रिटिश समाज में आप्रवासियों के प्रति धुर दक्षिणपंथियों की कटुता छिटपुट घटनाओं की प्रतिक्रिया के रूप में ही नजर नहीं आती, बल्कि ये घटनाक्रम ब्रिटिश समाज में व्यापक सामाजिक चिंताओं और राजनीतिक विफलताओं का भी परिचायक है। दरअसल, कई दक्षिणपंथी राजनेताओं ने आप्रवासन और सांस्कृतिक एकीकरण के बारे में गलत धारणाओं को बढ़ावा दिया। उन्होंने अपने विभाजनकारी एजेंडे के लिये समर्थन जुटाने के लिये खतरनाक ढंग से गलत सूचनाएं फैलायीं। कहा गया कि हमलावर एक आप्रवासी मुस्लिम था। हालांकि प्रधानमंत्री स्टार्मर ने दंगों को सुनियोजित साजिश बताते हुए घटनाओं की निंदा की है, लेकिन अभी ब्रिटिश समाज में सामाजिक समरसता बनाये रखने के लिए बहुत कुछ किया जाना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर एक सप्ताह में हिंसक गतिविधियों में शामिल करीब चार सौ से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। दंगइयों के हौसले इतने बुलंद थे कि वे पुलिस से संघर्ष करते नजर आ रहे थे। साथ ही सार्वजनिक संपत्ति और आप्रवासियों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे थे।

दरअसल, हाल के दिनों में देखने में आया है कि कई देशों में हिंसक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये ऑनलाइन सूचनाओं को गलत ढंग से प्रसारित व प्रचारित किया गया। वास्तव में भ्रामक सूचनाओं के तंत्र पर अंकुश लगाने के लिये ठोस प्रयास किये जाने की जरूरत है। देखने में आया है कि सुनियोजित ढंग से प्रचारित सूचनाएं लोगों को कट्टरपंथी बनाने और हिंसा को भड़काने के लिये प्रयोग की जाती हैं। सोशल मीडिया को एक हथियार की तरह से इस्तेमाल किया जा रहा है। दरअसल, ब्रिटिश सरकार को अंतर्निहित उन सामाजिक व आर्थिक मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है जिसके जरिये दक्षिणपंथी स्थानीय लोगों का भावनात्मक दोहन करते हैं। मसलन बेरोजगारी और अपर्याप्त सामाजिक सेवाओं की समस्या को दूर करना चाहिए, जिसके बहाने आप्रवासियों के प्रति नफरत फैलाने का काम किया जाता है। निश्चित रूप से ऐसे भय के माहौल में सहिष्णुता और एकता के मूल्यों को बनाये रखने की सख्त जरूरत है। भविष्य में प्रवासियों के खिलाफ ऐसी हिंसा दोबारा न पनपे ब्रिटिश सरकार को अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा और समावेशन को सुनिश्चित करना चाहिए। अब चाहे वे किसी भी देश से आए हों। मीडिया और राजनीतिक नेताओं से जिम्मेदार व्यवहार की उम्मीद की जानी चाहिए। उन्हें नफरत फैलाने वाली भड़काऊ बयानबाजी से बचना चाहिए। ब्रिटेन में डेढ़ दशक बाद व्यापक रूप से पनपे दंगों की पुनरावृत्ति रोकने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। दरअसल, इस दौरान दक्षिणपंथियों के हौसले इतने बुलंद थे कि उन्होंने पुलिस को भी निशाना बनाने से परहेज नहीं किया। इस घटनाक्रम के चलते प्रदर्शनकारी तथा आप्रवासियों के समर्थक कई बार आमने—सामने नजर आए। एक पक्ष कह रहा था कि ब्रिटेन को बाहरी लोगों से मुक्त कराया जाए तो दूसरी तरफ आप्रवासियों का समर्थन करने वाले नारे लगा रहे थे कि यहां शरणार्थियों का स्वागत है। बहरहाल, हाल की हिंसक घटनाओं ने नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालांकि, उन्होंने प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के आदेश भी दिए हैं। बकायदा इस संकट को लेकर सोमवार को प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर सुरक्षा अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक भी बुलाई गई। निश्चित रूप से दक्षिणपंथियों की हिंसा से सख्ती से निपटने की जरूरत है।

आखिर तानाशाहों में कैसे शुमार हुई शेख हसीना

—ज्योति मल्होत्रा—

बांग्लादेश में भड़के अराजक आंदोलन के दौरान एक 'प्रदर्शनकारी' द्वारा बंगबंधु मुजीबुर्रहमान की प्रतिमा पर हथोड़ा चलाने की तस्वीर सिहरन पैदा करने वाली था। हमें लगता है यह किसी आंदोलनकारी छात्र का काम नहीं हो सकता—कतई नहीं —भले ही वह बंगबंधु की बेटी से कितना भी नाराज क्यों न हो। यहां तक कि अगर शेख हसीना उस वक्त भी चुप रहीं, जब पिछले कुछ हफ्तों से चल रहे आंदोलन में 'देखते ही गोली मार दो' आदेश के बाद सुरक्षा बलों के हाथों 300 से अधिक मारे गए और यह हुक्म और किसी ने नहीं बल्कि उनकी आवामी लीग पार्टी के महासचिव ओबेदुल कादर ने दिया था। यदि बंगबंधु जीवित होते तो वे भी इन वैचारिक तौर पर विकृत लोगों का निशाना बन जाते, जिन्हें 1971 में बांग्लादेश को आजाद करवाने के लिए हुए लासानी युद्ध के बारे में तो बहुत कम या जरा इल्म नहीं है।

वे बांग्लादेश के उस राष्ट्रपिता की पुत्री हैं जो कभी गलत नहीं कर सकते थे, शेख हसीना तो लोकतंत्र की बेटी हैं, जो 15 अगस्त 1975 की मनहूस रात को हुए नरसंहार से बच गई थीं दृजब उनके बाकी परिवार को विद्रोहियों द्वारा क्रूरता से खत्म कर दिया गयादृ सिर्फ इसलिए कि क्योंकि वे और उनकी बहन रेहाना, उस दिन धानमोंडी के पुश्तैनी घर में मौजूद नहीं थीं। आज हसीना को उन तानाशाहों की जमात में रखा जा रहा है जो अपनों का खून बहाने से पहले जरा नहीं सोचते, क्योंकि उन्हें यही करना पड़ता है, अपना बचाव सर्वप्रथम जो होता है।

पर यह सब हो गुजरने की नौबत बनी कैसे? शेख हसीना कैसे ओबेदुल कादर को अनुमति दे सकती हैं कि जो कोई प्रदर्शन करने की जुर्रत करे, उसे मार डाला जाए? स्पष्टतः 1971 की क्रांति खुद को दोहरा रही है। यह अपने संतान खुद खाने जैसा है। बताया जा रहा है, ढाका में दो हफ्ते पहले हुई अभागी पत्रकार वार्ता में कादर ने कहा कि यदि छात्र अपना आंदोलन बंद कर घर वापसी नहीं करते तो 'इन्हें सीधा करने' को अपनी आवामी लीग के कार्यकर्ताओं को हुक्म देना पड़ेगा। तो क्या इसका मतलब है कि शेख हसीना की पार्टी वालों ने ढाका और चटगांव में प्रदर्शनकारी निर्दोष विद्यार्थियों पर गोलियां चलाईं? यह अभी जांच का विषय है। लेकिन यूनिसेफ ने कहा है कि जुलाई माह के आंदोलन में कम से कम 32 छात्र मारे गए हैं।

यह कैसे हो सकता है कि शेख हसीना जिन्हें अपना पूरा परिवार नरसंहार में गंवाया हो और उसके बाद दिल्ली के पंडारा रोड के एक घर में अपनी बहन रेहाना और किशोर भाई रसेल के साथ बतौर राजनीतिक शरणार्थी रहना पड़ा, और इस दौरान उनके प्रिय बांग्लादेश में पाकिस्तान परस्त ताकतें सत्तासीन हो गईंदृ क्योंकर उन्होंने खुद को इतना बिखरने दिया कि उन्हीं तानाशाहों का प्रतिबिम्ब बन गईं, जिनसे कभी नफरत थी?

अब जबकि उन्हें दिल्ली के पास हिंडन वायुसेना अड्डे पर या उसके पास 'भारतीय सेफ हाउस' में रहना पड़ रहा है और केवल एक घंटे की दूरी पर, दिल्ली में रह रही और विश्व स्वास्थ्य संगठन में नौकरी कर रही अपनी बेटी साइमा वाजेद से मिलने तक की अनुमति नहीं है, तो शायद वे कुछ समय निकालकर अपने भीतर झांकेगी कि कैसे और क्यों उन्होंने इस मनहूस स्थिति को बनने दिया।

जनवरी माह में, जब विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा दूसरी बार भी आम चुनाव का बहिष्कार किए जाने के बाद, शेख हसीना ने इस निर्णय पर हेकड़ी पूर्ण रुख अख्तियार करते हुए, बीएनपी के बड़े नेताओं को गिरफ्तार करने का हुक्म दिया, यह एक तरह से उनके चेहरे पर थूकने जैसा था। भले ही ये दो महिलाएं, शेख हसीना और पिछले सालों से अस्वस्थ चल रही बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया, एक—दूजे को सख्त नापसंद करती हों, किंतु लोकतंत्र के पहले नियम का तकाजा है कि चाहे आप किसी विपक्षी नेता से कितनी भी दिली नफरत क्यों न करते हों, फिर भी उसे अपनी बात कहने का मौका तो देना ही पड़ेगा।

लेकिन हसीना अड़ी रहीं और भारत सरकार के पास उनकी दलीलों को मानने के सिवा कोई चारा नहीं रहादृ लेकिन यदि भारत उनके अधिनायकवादी तौर—तरीकों से चुनाव के जरिये सत्ता में वापसी का समर्थन न करता रहता तो बंगाल की खाड़ी उन मगरमच्छों का आशियाना बन जाती, जिनका प्रशिक्षण और पोषण पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान करता आया है। विडंबना है कि वह आकलन भी एकदम सच था। इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी सहित अपने से पहले के प्रधानमंत्रियों की भांति नरेंद्र मोदी को भी अहसास रहा कि भारत के पास शेख हसीना का समर्थन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। जब 2001 से 2006 के बीच बीएनपी सत्ता में रही, तब न केवल भारत के उत्तर—पूर्वी इलाके को गहरी उथल—पुथल में धकेला गया बल्कि पाकिस्तान परस्त तत्वों ने चटगांव बंदरगाह से होकर बांग्लादेश में आधुनिक हथियारों की खेपों की खेपें उतारीं।

यह एकदम सच है कि शेख हसीना की ढाका में वापसी भारत के लिए एक बड़ा वरदान रही। केवल 1971 के नाते से नहींदृयह सरगर्मी आरंभ से रही, जब विशेष रिश्ता कायम हुआ, जो न केवल मुक्ति बाहिनी और भारतीय सेना के बीच था बल्कि दोनों मुल्कों के नागरिकों के मध्य भी दृ और ये संबंध शेख हसीना के पिछले 15 सालों के प्रधानमंत्रित्व काल में भी बने रहे।

भारत और शेख हसीना के नेतृत्व वाले बांग्लादेश के मध्य राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में एक बिल्कुल नई किस्म की साझेदारी बनी, जो बाकी दक्षिण एशिया के लिए आदर्श उदाहरण बनी। सड़क, रेलवे, पारगमन का अधिकार, आम नागरिकों को आने—जाने की अनुमति, रक्षा क्षेत्र में मदद, जो कोई भी नाम लें, उस क्षेत्र में भारत—बांग्लादेश की जुगलबंदी कायम रही।

तब फिर ऐसा क्या हुआ? सोमवार को ढाका में बांग्लादेशी आंदोलनकारी द्वारा शेख मुजीब की मूर्ति के सिर को हथौड़े से तोड़ने और देशभर में हिंदू परिवारों पर हुए हमले साफ दिखाते हैं कि पर्दे के पीछे से कोई ताकतें यह सब करवा रही हैं। सबसे बड़ा शक पाकिस्तान परस्त जमात—ए—इस्लामी संगठन पर है। वे लौट आए हैं। बांग्लादेश में इतिहास कभी भी वास्तव में इतिहास नहीं रहा। अब पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के लिए बंगाल की खाड़ी में 'खेला' करने के लिए यह परिस्थिति जन्य मौका है।

यह भी उतना ही सच है कि शेख हसीना के सिवाय एक भी ऐसा नहीं है जिसके पास जमात—ए—इस्लामी और इसके राजनीतिक मुखौटे बीएनपी से मुकाबला करने का माद्दा हो। लेकिन हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। अब जबकि हिंडन वायुसेना अड्डे पर वे ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय द्वारा राजनीतिक शरण की अनुरोध स्वीकार करने की बाट जोह रही हैं, शायद लंदन से अनुमति आने तक उनके लिए ढाका में बने रहना सुरक्षित न होता। अवश्य ही उन्होंने भारत से अस्थाई पनाह देने की गुहार लगाई होगी। उन्हें आने देकर मोदी सरकार ने सही किया है। और दोस्त होते किसलिए हैंदृ भले ही अगला गलत क्यों न हो।—लेखिका द ट्रिब्यून की प्रधान संपादक हैं।

आर्थिक विकास और समाज सुधार

—भारत डोगरा—

प्रायः आर्थिक विकास को अधिक महत्व दिया जाता है पर अनुभव से पता चलता है कि समाज—सुधार के समुचित प्रयासों के बिना आर्थिक विकास अधूरा ही रह जाता है। इसमें अनेक विसंगतियां भी आ सकती हैं। अतः समाज—सुधार के समग्र कार्यक्रम पर व्यापक सहमति बनाकर इसे निरंतरता से आगे ले जाना चाहिए।

इसमें एक बड़ी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि सभी तरह के नशे को न्यूनतम करने के लिए निरंतरता से जन—अभियान चलने चाहिए। सभी तरह के नशे न्यूनतम कैसे हो सकते हैं, इसकी एक सुलझी हुई समझ बना लेनी चाहिए। फिर इस आधार पर सभी गांवों व शहरी बस्तियों में नशा—विरोधी समितियों का गठन कर निष्ठापूर्वक कार्य होना चाहिए। इस प्रयास में अग्रणी भूमिका महिलाओं की होनी चाहिए।

महिलाओं के विरुद्ध जो विभिन्न तरह की हिंसा होती है, उसे न्यूनतम करने के प्रयास निरंतरता से होने चाहिए, पर केवल यही पर्याप्त नहीं है। महिलाओं को समाज में अधिक सम्मान मिले इसके लिए प्रयास होंगे तो महिला—विरोधी हिंसा अपने आप कम होगी। महिलाओं की गरिमामय स्थिति बनी रहे पर साथ में उन्हें समाज के सभी क्षेत्रों से अधिक खुलकर जिम्मेदारियां निभाने और कार्य करने के अवसर मिलने चाहिए। बेटियों की शिक्षा बढ़नी चाहिए व साथ में खेलों में, सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बेहतर अवसर मिलने चाहिए।

जुआ या गैंबलिंग कई रूप में आ गया है। सभी तरह के जुए से दूर रहना चाहिए। साथ में यह विचार विकसित होना चाहिए कि जो अपनी मेहनत की कमाई है, वही सबसे उचित कमाई है। सभी तरह के अपराधों से दूर रहने का विचार सभी लोगों में विशेषकर युवाओं में प्रतिष्ठित करना चाहिए।

समाज में किसी के प्रति भी भेदभाव नहीं होना चाहिए। धर्म, जाति, रंग, नस्ल, लिंग, क्षेत्रीयता आदि किसी भी आधार पर भेदभाव अनुचित है। सभी मनुष्यों की समानता को हृदय से स्वीकार करना चाहिए व इस आधार पर सभी की भलाई के लिए सोचना चाहिए। इस तरह के विचारों के प्रसार से समाज तरह—तरह की संकीर्णता व उस पर आधारित द्वेष व आक्रामकता से मुक्त होगा।

अपने से निर्धन या कमजोर स्थिति के किसी भी व्यक्ति के प्रति हमारा व्यवहार उसकी भलाई को बढ़ाने वाला व नम्रता का होना चाहिए। उसकी कमजोर स्थिति के आधार पर उसका शोषण कभी नहीं करना चाहिए अपितु यह सोचना चाहिए कि यथासंभव हम उसकी कितनी सहायता कर सकते हैं। शोषण की सोच से समाज को मुक्त करना समाज—सुधार का एक अति महत्वपूर्ण पर उपेक्षित पक्ष है।

परिवार में, आस—पड़ोस में व अन्य स्तरों पर लड़ाई—झगड़ों, क्रोध में बोले गए कठोर वचनों से बचना चाहिए। बदले की भावना में सुलगते रहने या अदालती झगड़ों में उलझने के स्थान पर यथासंभव किसी वाद—विवाद को स्वयं व मित्रों की सहायता से शीघ्र सुलझा लेना चाहिए। आस—पड़ोस में व गांव समुदायों में या शहरी मोहल्लों में अत्यधिक प्रतिस्पर्धा व ईर्ष्या के माहौल के स्थान पर आपसी सहयोग व मिल—जुलकर कार्य करने के माहौल को तैयार करना चाहिए। बच्चों को भी अत्यधिक प्रतिस्पर्धा की होड़ से बचाना चाहिए।

सादगी के जीवन को नए सिरे से प्रतिष्ठित करना चाहिए। विशेषकर समारोहों, उत्सवों, शादी—ब्याह आदि में अधिक खर्च करने से बचना चाहिए। समाज में व्यापक प्रयास से दहेज—प्रथा को यथासंभव समाप्त ही कर देना चाहिए। विवाह जैसे पारिवारिक जरूरी कार्यों के लिए कोई तनाव न हो व आपसी सहयोग, कम खर्च से सब परिवार अपनी जिम्मेदारियां निभा सकें, ऐसा प्रयास करना चाहिए।

तकनीकी विकास व बदलावों के दौर में समाज में यह चेतना विकसित होनी चाहिए कि नए तकनीकी उपकरणों से जहां अनेक लाभ होते हैं वहां इनका दुरुपयोग भी हो सकता है। इससे सामाजिक क्षति भी हो सकती है। अतः तकनीकी प्रसार के साथ इनके सुरक्षित व जिम्मेदारी भरे उपयोग के महत्व को भी समाज में रेखांकित करना चाहिए।

भारत मुख्य रूप से एक कृषि अर्थव्यवस्था है । कृषि गतिविधियाँ अर्थव्यवस्था में लगभग 50: योगदान देती हैं। कृषि में फसल उगाना और बेचना, मुर्गी पालन, मछली पकड़ना, मवेशी पालन और पशुपालन शामिल हैं। भारत में लोग इनमें से कई गतिविधियों में शामिल होकर अपनी आजीविका कमाते हैं। ये गतिविधियाँ हमारी अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। पिछले कुछ दशकों में भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़ी वृद्धि देखी गई है। इस उछाल का श्रेय काफी हद तक सेवा क्षेत्र को जाता है। कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियों को वैश्विक मानकों से मेल खाने के लिए भी सुधारा गया है और विभिन्न खाद्य उत्पादों के निर्यात में वृद्धि देखी गई है जिससे आर्थिक विकास में मदद मिली है। औद्योगिक क्षेत्र भी पीछे नहीं है। हाल के दिनों में कई नए बड़े और छोटे उद्योग स्थापित किए गए हैं और इनका भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

आज हमारे पास बहुत से उद्योग हैं जो बड़ी मात्रा में कच्चे माल के साथ—साथ तैयार माल का निर्माण करते हैं। दवा उद्योग, लोहा और इस्पात उद्योग , रसायन उद्योग, कपड़ा उद्योग, मोटर वाहन उद्योग, लकड़ी उद्योग, जूट और कागज उद्योग उन उद्योगों में से हैं जिन्होंने हमारी आर्थिक वृद्धि में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

पर्यावरण रक्षा की जिम्मेदारी हम सभी की है व हमें इसे निभाना चाहिए। इस सोच का प्रसार निरंतरता से होना चाहिए। नागरिकों को कूड़ा निपटाने के बेहतर ढंग अपनाने चाहिए। पर्यावरण की रक्षा को सादगी की जीवनशैली से जोड़ने की समझ समाज में विकसित होनी चाहिए। सभी जीव—जंतुओं के प्रति करुणा की भावना विकसित होनी चाहिए।

जरूरी नहीं है कि समाज—सुधार का कार्यक्रम इस आधार पर ही बने पर ये कुछ महत्वपूर्ण संकेतक हैं जिनके आधार पर बेहतर समाज निर्माण हो सकता है जिसमें दुख—दर्द और तनावों को बहुत कम किया जा सके। यह भी जरूरी नहीं कि सभी गांवों व मोहल्लों में सब जगह एक—सा ही कार्यक्रम बने, पर जब एक बार वे आपसी सहमति से कार्यक्रम बना लें तो महिलाओं के नेतृत्व में इस कार्यक्रम को निष्ठापूर्ण व निरंतरता से आगे अवश्य बढ़ाएं।आजादी के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था में कई सकारात्मक बदलाव हुए हैं। यह अच्छी गति से बढ़ रही है। हालाँकि, हमारे देश के ग्रामीण क्षेत्र अभी भी अविकसित हैं। सरकार को इन क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए प्रयास करने चाहिए।

अंगदान से दें दूसरों को जीवन का उपहार

—विवेक मिश्र—

हर साल देश को करीब 50 हजार दिल, दो लाख किडनी और 50 हजार लिवर की जरूरत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट व पीजीआई समेत अन्य मेडिकल संस्थाओं के शोध के अनुसार गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए प्रतिवर्ष 50 हजार फेफड़ों और 40—50 हजार लिवर और 2500 पेनक्रियाज (अग्नाशय) की आवश्यकता होती है। अंग फेल होने की वजह से हर साल 3 लाख लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। दस लाख लोगों में से 232 की जान किडनी नहीं मिलने की वजह से हर साल जाती है। हर साल 5 लाख लोगों को अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है जबकि 52 हजार के करीब ही मिल पाते हैं। इसी तरह हर साल दो लाख कॉर्निया की जरूरत होती है जबकि 50 हजार ही उपलब्ध हो पाती है। इनमें प्रत्येक 4 में से 3 व्यक्ति आंखों की रोशनी पाने के लिए डोनेशन का इंतजार करते हैं। अंगदान कम होने के पीछे काफी मिथक भी हैं, जिन्हें समाज से दूर करने की आवश्यकता है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार हर साल करीब 1.5 लाख लोग सड़क दुर्घटना में जान गंवाते हैं। डेढ़ से दो लाख लोगों की स्ट्रोक के कारण मौत हो जाती है, लेकिन ज्यादातर मृतकों के परिजन अंगदान के लिए अपनी सहमति नहीं देते। इसके बावजूद पीजीआई चंडीगढ़ देशभर में अंगदान कराने में नंबर वन है। पीजीआई चंडीगढ़ द्वारा मरीजों की जान बचाने के लिए भगीरथ प्रयास लगातार जारी हैं, जिनमें काफी सफलता भी मिल रही है। अंग प्रत्यारोपण के लिए पीजीआई को कई बार केंद्र सरकार द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है।

भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषि व शिबि जैसे राजा का देश है। असुरों से जन सामान्य की रक्षा हेतु महर्षि दधीचि ने अपना देहदान कर दिया था और राजा शिबि ने एक कबूतर के लिए अपने प्राणों का बलिदान करना स्वीकार किया था। एक ने असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपनी अस्थियां दान की तो दूसरे ने शरणागत जीव के लिए बलिदान की ठानी। परंतु समय के साथ देश में अंगदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई है। निश्चित तौर पर अंगदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। दुनिया से विदा लेने के बाद भी इंसान जीवित रह सकता है और इसके लिए अमृत की जरूरत भी नहीं। बस! अंगदान जैसा पुण्य कार्य करना पड़ेगा। दरअसल, अंगदान के इंतजार में कई बेटे, कई पिता, कई माएं—बहनें, कई भाई और कई दोस्त जिंदगी की जंग हार जाते हैं। लेकिन व्यक्ति अंगदान कर मौत के बाद भी किसी अन्य को जिंदगी दे सकता है। दुनिया से जाने वाले जाने चले जाते हैं कहां, कैसे ढूंढे कोई उनको, नहीं कदमों के भी निशां३ अंगदान ने इन वाक्यों को गलत साबित किया क्योंकि अंगदान के जरिये दुनिया से जाने के बाद भी कोई किसी के सीने में दिल बन धड़क रहा है तो कोई दूसरों की आंखों से दुनिया से जाने के बाद भी दुनिया देख रहा है।

पीजीआई चंडीगढ़ में इस समय 3658 मरीजों को तुरंत किडनी की जरूरत है, लेकिन डोनर नहीं मिल रहे। डोनर के इंतजार में मरीजों का एक—एक दिन साल के बराबर बीत रहा है। अभी 62 को लिवर, एक दिल, 74 पैनक्रियाज और एक मरीज को लंग्स की जरूरत है। चंडीगढ़ पीजीआई अब तक 603 मरीजों में किडनी ट्रांसप्लांटेशन करके उनको नयी जिंदगी दे चुका है। इसके अलावा 40 मरीजों के दिल, 114 के लिवर, 48 के पेनक्रियाज, आठ के लंग्स ट्रांसप्लांटेशन कर चुका है।

पांच दशक में पीजीआई चंडीगढ़ में 5 हजार से ज्यादा किडनी ट्रांसप्लांट हो चुके हैं। इसके अलावा पेनक्रियाज ट्रांसप्लांट में पीजीआई देशभर में नंबर वन है।

फूड प्वाइजनिंग के शिकार एक छात्र की मौत, मेडिकल कालेज में चल रहा था इलाज

संवाददाता—देवरिया। आश्रम पद्धति विद्यालय के जिम्मेदारों की लापरवाही की सजा आठवीं में पढ़ने वाले 15 साल के मासूम शिवम यादव को अंततरू अपनी जान देकर भुगतनी पड़ी। बुधवार को गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उसकी मौत हो गई। शिवम उन 90 बच्चों में से एक था जिनकी तबीयत रविवार की रात का खाना खाने के बाद बिगड़ गई थी। डीएम दिव्या मित्तल ने इस मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। एएसडीएम सदर जांच पूरी कर तीन दिन के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। शिवम पुत्र सदानंद यादव की स्थिति गंभीर होने पर मंगलवार की शाम उसे देवरिया मेडिकल कॉलेज से गोरखपुर रेफर कर दिया गया था। घटना में छात्र की मौत से प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। देवरिया जिले के पं दीन दयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय मेहरौना में फूड प्वॉयजनिंग से 90 से अधिक छात्रों की तबीयत 5अगस्त को खराब हो गई थी। इसमें 61 छात्रों का महर्षि देवराहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया में इलाज चल रहा है। मेडिकल कॉलेज में भर्ती कक्षा 8 के छात्र शिवम यादव (15) पुत्र सदानंद यादव निवासी भैंसहिया रामनगर थाना फरेंदा महाराजगंज की स्थिति मंगलवार की शाम खराब हो गई थी। उसे सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इसके बाद उसे एडवांस लाइफ सपोर्ट सिस्टम से लैस एंबुलेंस के जरिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार वहां इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक कमले में हड़कंप मच गया। अधिकारी मेडिकल कॉलेज देवरिया में भर्ती अन्य बच्चों के स्वास्थ्य पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। बुधवार की सुबह डीएम दिव्या मित्तल ने खुद मेडिकल कॉलेज पहुंचकर बच्चों और चिकित्सकों का हाल—चाल जाना और चिकित्सकों को बेहतर इलाज का निर्देश दिया।

फूड प्वाइजनिंग की घटना की मजिस्टिकल जांच हो रही है। डीएम ने अपर उपजिलाधिकारी सदर अवधेश कुमार निगम को इसकी जांच सौंपी है। उन्हें तीन दिन के अंदर जांच कर रिपोर्ट देनी है। इससे पूर्व सोमवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने भी पहुंच कर खाद्य पदार्थो का सैम्पल लिया था। यही नहीं मंगलवार को इस मामले को सपा नेता व सलेमपुर के सांसद रमाशंकर राजभर ने संसद में भी उठाया था। पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय मेहरौना में कुल 326 छात्र नामांकित हैं। यहां कक्षा 6 से 12 तक की पढ़ाई होती है। रविवार की रात कुल 272 छात्रों ने भोजन किया था। सोमवार की सुबह ब्रेकफास्ट के बाद कई बच्चे उल्टी—दस्त करने लगे। कुछ ने बुखार, चक्कर आने और पेट दर्द की शिकायत की। एक साथ दर्जनों बच्चों की तबीयत खराब होने से स्कूल में हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पहुंच कर आनन—फानन में स्कूल को ही अस्थाई अस्पताल बनाकर बच्चों का इलाज शुरू किया लेकिन काफी अधिक छात्रों की तबीयत गंभीर होने लगी। इसके बाद एक दर्जन एंबुलेंस लगाकर आनन—फानन में बच्चों को मेडिकल कॉलेज भेजा जाने लगा। यहां डेंगू वार्ड को अस्थाई चिल्ड्रेन वार्ड में बदल कर बच्चों को भर्ती किया गया। देर रात बीमार बच्चों की संख्या बढ़ने पर नेत्र रोग वार्ड में उन्हें भर्ती किया गया। डेंगू वार्ड में 38 और नेत्र अनुभाग में 18 बच्चों का इलाज चल रहा है। इसके अलावा गंभीर रूप से बीमार पांच छात्र पीआईसीयू में भर्ती हैं।

पुलिस में नहीं हुई सुनवाई तो युवक ने किया आत्मदाह

संवाददाता—बहराइच। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के निकट स्थित शहीद पार्क में बुधवार दोपहर को एक व्यक्ति ने खुद को ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा लिया। आसपास के लोगों ने किसी तरह कंबल डालकर आग बुझाया। इसके बाद उसे एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। व्यक्ति 60 प्रतिशत झुलस गया है। कोतवाली नगर के मोहल्ला चांदपुरा निवासी कमरुद्दीन (53) के खिलाफ कुछ लोगों ने केस दर्ज कराया है। उसका कहना है कि पुलिस ने फर्जी प्रार्थना पत्र के आधार पर केस दर्ज कर लिया है और उसके उसके पत्र पर कोई जांच नहीं की जा रही है। इसको लेकर बुधवार सुबह शहीद पार्क में बैठ गया। कोई सुनवाई न होता देख दोपहर को व्यक्ति ने खुद के ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। आसपास मौजूद लोगों ने युवक को आग का गोला बना देख हड़कंप मच गया। सभी ने कंबल और पानी डालकर आग बुझाया। इसके बाद उसे एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, पुलिस अधीक्षक कार्यालय और कोतवाली नगर के बीच में स्थित शहीद पार्क में हुई इस घटना को लेकर सुरक्षा पर कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। नगर कोतवाल मनोज पांडे का कहना है कि व्यक्ति ने किस कारण आग लगाई है, अभी यह जानकारी नहीं हुई है। जांच की जा रही है।

शहीद पार्क में आग लगने वाले कमरुद्दीन ने लाल रंग या खून से पत्र लिखा है। जिसमें उसने लिखा है कि अगर मेरी मौत होती है जैनुल आब्दीन, उनके पुत्र गुलफाम और सद्दाम जिम्मेदार होंगे।

सपा के युवा संगठनों ने बनाई सदस्यता अभियान की रणनीति

संवाददाता—देवरिया। समाजवादी पार्टी युवा फ्रंटल संगठनों समाजवादी युवजन सभा, समाजवादी लोहिया वाहिनी, यूथ ब्रिगेड एवं छात्र सभा की बैठक बुधवार को बसियवा स्थित सपा कार्यालय पर हुई। बैठक में अगस्त क्रांति दिवस 9 अगस्त से प्रस्तावित सदस्यता अभियान, छात्र, नौजवान पीडीए जन जागरूकता अभियान को सफल बनाने की रणनीति बनाई गई। बैठक में समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष रणवीर यादव ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर 9 अगस्त से प्रस्तावित सदस्यता अभियान, छात्र, नौजवान पीडीए जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम को जिले में युवा कार्यकर्ताओं की बदौलत ऐतिहासिक बनाया जायेगा। चारों फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दे दी गयी है। युवा कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं। जिले में बड़ी संख्या में नये नौजवानों को पार्टी से जोड़ा जायेगा। फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता डिग्री कालेजों, इंटर कालेजों एवं गाँव—गाँव जाकर छात्रों, नौजवानों को पीडीए के पक्ष में जागरूक करने का कार्य करेंगे। भाजपा सरकार में छात्रों, नौजवानों का शोषण हो रहा है। भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पेपर लीक, किसानों की दुर्दशा, महिलाओ पर हो रहे अत्याचार, खराब कानून व्यवस्था से जनता परेशान है। प्रदेश का नौजवान आशा भरी नजरों से अखिलेश यादव के तरफ देख रहा है।

सपा नेता विजय रावत व जिला उपाध्यक्ष एनपी यादव ने कहा कि नौजवानों के बल पर सपा 2027 में सत्ता में आयेगी। सपा में ही नौजवानों का भविष्य सुरक्षित है। भाजपा सरकार नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। नौजवान बेरोजगारी से तंग आकर आत्महत्या करने को मजबूर है।

बैठक की अध्यक्षता यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष खुर्शेद आलम व संचालन छात्र सभा के जिलाध्यक्ष मनोज यादव ने किया। बैठक को जिला महासचिव मंजूर हसन, सपा के जिला सचिव दयाशंकर यादव, नित्या त्रिपाठी, अवनीश यादव, सूरज कुशवाहा, पिंटू राय, विजय यादव, अमरनाथ, सूरज यादव, श्यामसुंदर निषाद, गोपी यादव ने सम्बोधित किया।

बैठक में सत्यपाल यादव, जितेश, अमित सोनकर, काका चौरी, सत्येंद्र सत्या, रणविजय सिंह, सत्येंद्र भारती, शिवनाथ, सोनू प्रकाश, इसरार अहमद, बृजमोहन गौतम, रामवृक्ष राजभर, ज्ञानप्रकाश,दिनेश पासवान, धर्मेंद्र यादव, गोलू,प्रभाकर पाण्डेय, नितेश मदेशिया, शैलेन्द्र सिंह,नितेश निषाद, शिवम् शर्मा, संजीव यादव, जयराम, सुनील यादव, तारेख रहमान, सुहेल अंसारी, पंकज यादव आदि रहे।

नेपाल में बारिश से चंदन व झरही नदी का जलस्तर बढ़ा

संवाददाता—महराजगंज। नेपाल के पहाड़ों पर हो रही लगातार बारिश से नदियों का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगा है। ठूठीबारी क्षेत्र में चंदन, झरही व भौरहिया नदी का जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया है। पड़ियातार क्षेत्र में घोला नदी के उफान से धान की फसलें जलमग्न हो गई हैं। पहाड़ी नदियों के बढ़ते जलस्तर को देख सीमावर्ती गांव के लोगों की धड़कनें बढ़ गई हैं। उनको इस बात का डर सता रहा है कि जलस्तर में और अधिक इजाफा हुआ तो पानी बांधों के उपर बहते हुए क्षेत्र में बाढ़ की इबारत लिख सकती है। मंगलवार की रात से पहाड़ों पर हो रही बारिश से पहाड़ी नदी चंदन झरही व भौरहिया नदी खतरे के निशान तक पहुंच गई है। इन नदियों के पानी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। तटीय गांवों में निवास कर रहे लोगों की धड़कनें बढ़ती जा रही हैं। क्षेत्र के पड़ियातार सिवान में घोला नदी के उफान से किसानों की धान की फसल डूब गई है। चंदन नदी के पानी के उफान से बैरिया सायफन से पानी लगातार गांव की की तरफ बढ़ रहा है। जिससे गांव के लोगों की चिंता बढ़ गई है। इस साल किसान धान का बेहन पहले गिरा दिए और उसकी रोपाई भी कर दिए हैं। मंगलवार की रात से हो रही लगातार बारिश से पड़ियातार, राम नगर व किशुनपुर का खदरे का सिवान पानी से लबालब भर गया है। जिससे धान की फसल पानी में डूब गई है। किसानों को चिंता सता रही है की तीन से चार पांच दिनों अगर फसल इसी तरह डूबी रही तो सारी पूंजी बर्बाद हो जाएगी।

रसिकाचार्य झुनझुनिया बाबा को संतो ने अर्पित की श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या— संतो की नगरी कही जाने वाली रामनगरी में अनेक भजनानंदी संत हुए है। ऐसे संत जो भगवत भजन में ही अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया, उन संतों में एक थे परम पूज्य रसिकाचार्य जानकी शरण महाराज झुनझुनिया बाबा। मां सरयू के पावन तट पर सुशोभित सिद्ध पीठ श्री सियाराम किला उनके तपोस्थली का जीता जागता प्रमाण है। जो झुनकी घाट झुनझुनिया बाबा के नाम से मशहूर है। सियाराम किला आज भी अपने वैभव को समेटे हुए आध्यात्मिकता को चार चांद लगा रहा है। झुनझुनिया बाबा ने अपना शरीर को 29 वर्ष पूर्व श्रावण शुक्लपक्ष तृतीया त्याग दिया था। इस अवसर पर पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण महाराज के पावन सानिध्य व मंदिर के अधिकारी प्रख्यात कथावाचक स्वामी प्रभंजनानन्द शरण जी महाराज के देखरेख में श्री महाराज जी की पुण्यतिथि मनाई गई। प्रातःकाल पूज्य महाराज श्री की चरण पादुका पूजन व भव्य अभिषेक किया गया। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें संतो धर्माचार्यो ने आचार्य श्री के व्यक्तित्व पर अपने अपने शब्दों से पुष्पांजलि अर्पित कर आचार्य श्री की चरणों में श्रद्धा निवेदित कर नमन किया। कार्यक्रम का समापन वृहद भंडारे के साथ हुआ।आये हुए अतिथियों का स्वागत परम्परागत तरीके से किया गया। श्री महाराज जी के पुण्यतिथि समारोह में मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, बड़ा भक्तमाल के महान अवधेश कुमार दास, महंत गौरी शंकर दास, बावन मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण,हनुमानगढ़ी के श्री महंत मुरली दास, महंत राम लोचन शरण, महंत राजीव लोचन शरण,श्री राम आश्रम के महंत जयराम दास,महंत रामकुमार दास, महंत रामनरेश दास, नाका हनुमानगढ़ी के महंत राम दास , महंत राजू दास हनुमानगढ़ी के पुजारी रमेश दास, श्री लक्ष्मण किला के अधिकारी सूर्य प्रकाश शरण, करुणानिधान भवन के अधिकारी राम नारायण दास संतों का स्वागत सत्कार मंदिर के संत प्रहलाद दास ने किया।

संदीक्षा सदस्यों ने मनाया हरियाली तीज का त्योहार

संवाददाता—श्रावस्ती। 62वीं वाहिनी एसएसबी मुख्यालय भिनगा में बुधवार को संदीक्षा सदस्यों ने हरियाली तीज का त्योहार धूम धाम से मनाया। महिलाएं परंपरागत वेशभूषा में सज—धज कर तैयार हुई। इस मौके पर विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ संदीक्षा अध्यक्ष प्रेरणा शर्मा ने किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। इस मौके पर विभिन्न प्रकार के नृत्य, गायन और नाटक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। महिलाओं ने परंपरागत वेशभूषा में सज—धज कर तीज के गीत गाए और झूले का भी आनंद लिया। महिलाओं के बीच मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं के साथ बच्चों ने भी बढ़—चढ़कर भाग लिया व अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रेरणा शर्मा ने कहा कि हरियाली तीज हमें हमारे सांस्कृतिक और पारंपरिक मूल्यों की याद दिलाती है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ जुड़ने और समाज में भाईचारे व सद्भावना का संदेश देता है। उन्होंने वाहिनी के सभी सदस्यों और उनके परिवारों की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान एसएसबी की महिला बलकर्मियों ने भी संदीक्षा सदस्यों के साथ मिलकर त्योहार का आनंद लिया। इस मौके पर सुमीता देवी, अनुराधा कुमारी सहित वाहिनी के महिला बलकर्मी व पारिवारिक आवास में रह रहे सभी संदीक्षा सदस्य, महिलाएं व बच्चे मौजूद रहे।

पुलिस भर्ती के परीक्षा केन्द्रों का लिया जायजा, सतर्क रहने का निर्देश

संवाददाता—महराजगंज। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती के लिए जिले में कुल छह परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केन्द्रों पर कुल 3144 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। डीएम अनुनय झा व एसपी सोमेन्द्र मीना ने बुधवार को इन चिह्नित परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। केन्द्रों की व्यवस्था देखी और पूरी सतर्कता बरतने का निर्देश मातहतों को दिया। निरीक्षण के क्रम में डीएम व एसपी जीएसवीएस इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज महराजगंज, डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय धनेवा धनेई, महामाया राजकीय आईटी पालीटेक्निक धनेवा धनेई पहुंचे। डीएम ने निरीक्षण के दौरान परीक्षा के लिए केंद्र में प्रवेश व निकास द्वार, परीक्षा कक्ष, प्रस्तावित कंट्रोल रूम, सीसीटीवी, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था आदि की जानकारी ली। निर्देश दिया कि केंद्र पर उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों एवं निर्देशों का शत—प्रतिशत अनुपालन किया जाए। सभी केंद्रों पर साफ—सफाई एवं उचित प्रकाश व्यवस्था रहे। प्रत्येक कक्ष में सीसीटीवी चालू हालत में रहें। उन्होंने परीक्षा के लिए सभी व्यवस्थाओं को समय से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान एसपी ने परीक्षा के दौरान सुचारू ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसडीएम सदर को आवश्यक निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सदर रमेश कुमार, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी और संबंधित केन्द्रों के प्राचार्य प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

फर्जी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पर जारी कर दिए हैवी लाइसेंस

संवाददाता—बहराइच। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में हैवी लाइसेंस के फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। फर्जी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र व अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर पर गुपचुप लाइसेंस जारी करा दिए गए हैं। लखनऊ टीम की जांच में यह मामला सामने आया है। तथ्य सामने आने पर अधिकारी भी सकते में हैं। ट्रेनिंग स्कूल व लिपिकों के गठजोड़ को देखते हुए जांच चल रही है। इसमें भी बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। एआरटीओ दफ्तर में दलालों की जड़ें गहरी हैं। रिकार्ड रूम तक ही उनकी पहुंच नहीं है, बल्कि एआरटीओ के फर्जी हस्ताक्षर करने में भी निपुण हैं। जिसके जरिए दर्जनों चालकों के हैवी लाइसेंस तक जारी करा दिए गए हैं। लाइसेंस जारी कराने को लेकर फर्जी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र के रूप में पांच नंबर फार्म भी जारी कर दिए गए। इसी के आधार पर विभागीय पोर्टल पर डाटा अपलोड कराया गया है। शिकायत पर पहुंची लखनऊ की टीम ने लाइसेंस व प्रशिक्षण अभिलेखों की रेंडम जांच किया तो दंग रह गई। कई सीरियल नंबर गलत पाए गए। बिना एआरटीओ, आरआई की स्वीकृति से ही लाइसेंस को अप्रूव्ड किया गया है। कई जगह बने हस्ताक्षर भी एआरटीओ के फर्जी पाए गए हैं। इस खुलासे ने कार्यालय में फैले दलालों के मकड़जाल की पुष्टि कर ही रहा है। विभागीय अधिकारियों की नौकरी पर भी संकट पैदा हो सकता है। जांच टीम सभी दस्तावेजों की फोटो प्रतिलिपि अपने साथ ले गई है। जिले में एक ही वाहन प्रशिक्षण स्कूल संचालित हो रहा है। कई चालकों ने बताया कि प्रवेश से लेकर प्रशिक्षण तक खानापूर्ति की जाती है। इसके एवज में नौ से दस हजार रुपये तक लिए जाते हैं। पांच नंबर फार्म जारी कर देते हैं। बायोमैट्रिक के समय स्कूटनी के दौरान भी उनसे शुल्क लिया जाता है। मुख्यालय से वाहन के अनुसार 25 नंबर फार्म स्कूल संचालक को उपलब्ध कराया जाता है। एक वाहन पर 24 फार्म एक माह के लिए दिए जाते हैं, लेकिन कइयों को डुप्लीकेट फार्म जारी किए गए हैं। अगर जांच आगे बढ़ी तो वाहन प्रशिक्षण स्कूल संचालक की भी मुश्किलें बढ़ेंगी। राजीव कुमार, एआरटीओ, प्रशासन ने कहा कि लाइसेंस से जुड़ी जांच के लिए टीम बहराइच आई हुई थी। टीम ने जांच किया है। रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को सौंपेगी।

चौकीदार व गार्डों का जरूर कराएं पुलिस वेरिफिकेशन—एसपी

संवाददाता—श्रावस्ती। व्यापारियों की समस्याओं को जानने के लिए पुलिस अधीक्षक ने बुधवार को व्यापारियों के साथ मासिक गोष्ठी की। जिसमें एसपी ने समस्याएं जानीं और समाधान का आश्वासन दिया।

पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने व्यापारियों से उनकी प्रमुख समस्याओं की जानकारी ली। व्यापारियों की ओर से यातायात, सड़क अतिक्रमण, टैक्सी, बस स्टैंड की व्यवस्था न होने तथा थाना व चौकियों में निरंतर बैठक न होने जैसी समस्याओं से एसपी को अवगत कराया। इस पर एसपी ने समस्याओं का समाधान कराने का अश्वासन दिया। एसपी ने कहा कि सर्राफा, पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी, ईंट भट्ठा आदि प्रतिष्ठानों पर जो भी गार्ड व चौकीदार रखें उनका पुलिस वेरिफिकेशन जरूर कराएं। चोरी व लूट आदि की घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी व्यवसायी अच्छी क्वालिटी के सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगवाएं। अग्निकांड जैसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी सुरक्षा के उपकरण लगवाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही एसपी ने ऑनलाइन ठगी, साइबर अपराध से बचने के लिए अपना ओटीपी किसी से शेयर न करने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने तथा अपनी बैंक डिटेल किसी अनजान से शेयर न करने की सलाह दी। इस मौके पर एएसपी प्रवीण कुमार यादव, अध्यक्ष उद्योग व्यापार दीनानाथ गुप्ता, आलम गिर, अलगर अली, राजेश कुमार रस्तोगी, घनश्याम रस्तोगी, धर्मवीर सोनी आदि मौजूद रहे।

सांप्रदायिक तत्वों के चलते खतरे में है संविधान -विश्वकर्मा

संवाददाता—गोण्डा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि सांप्रदायिकता की वजह से संविधान खतरे में है। समाज के सभी पिछड़ों, दलितों,अल्पसंख्यकों पीड़ित, शोषित, अगड़ों को संगठित होकर संविधान की रक्षा के लिए आगे आना होगा। वह शहर के टाउन हॉल में बुधवार को पार्टी की ओर से संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष अरशद हुसैन ने आरोप लगाया कि सांप्रदायिक ताकतों की वजह से संविधान खतरे में है। अपने अधिकारों के लिए हमें कोई भी संघर्ष करना पड़ सकता है। इसके लिए कार्यकर्ता और पदाधिकारी हमेशा आर पार की लड़ाई के लिए तैयार रहे। सपा के प्रदेश सचिव व विधायक अतउर्रहमान ने कहा कि सबसे पहले हम सभी को अपने—अपने बूथों की वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने की जरूरत है। पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह ने कहा कि संविधान विरोधी ताकतों से आर—पार की लड़ाई लड़नी होगी। पूर्व विधायक बैजनाथ दुबे ने कहा कि देश के संविधान को बचाने की जिम्मेदारी सभी की है। पूर्व विधायक नंदिता शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर संविधान की रक्षा में संघर्ष करने की सभी ने शपथ ली। पूर्व एमएलसी महफूज खां ने कहा कि जब 2027 में समाजवादी सरकार बनेगी तभी गंगा जमुनी तहजीब की रक्षा की जा सकेगी । सपा नेता सूरज सिंह ने हर संघर्ष में साथ देने का वादा किया। राष्ट्रीय सचिव मसूद आलम खान, सपा नेता संजय विद्यार्थी, युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरफराज हुसैन उर्फ सोनू ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश दीक्षित ने किया। जिला अध्यक्ष अरशद हुसैन ने बसपा जिला उपाध्यक्ष आदिल तलत के साथ दर्जनों लोगों को पार्टी में शामिल कराया। इस दौरान राहुल शुक्ला ,अजय गौतम, अशोक यादव ,हाजी मोहम्मद जकी, सुरेश शुक्ला, शमीम अच्छन, राजेश मिश्रा, रामसबूरे मिश्रा, बलराम यादव, शिवकुमार विश्वकर्मा, ननके खान ने भी संबोधित किया।

वन विभाग टीम ने 11 बोटा खैर लकड़ी के साथ पिकअप पकड़ी

संवाददाता—बलरामपुर।। सोहेलवा वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र के बनकटवा रेंज अन्तर्गत चौधरीडीह कक्ष संख्या तीन में वन माफिया दो खैर के पेड़ काटकर 11 बोटा लकड़ी लेकर भाग रहे थे। वन विभाग की टीम ने दबिश दी तो वन माफिया लकड़ी भरी गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। लकड़ी छिपाने के लिए उन्हें भूसी भरी बोरियों से ढक दिया गया था। यह कार्रवाई बनकटवा रेंज वन विभाग टीम ने मुखबिर की सूचना पर बुधवार को की है।

जंगल में लगे खैर के वृक्षों को लाल सोना के रूप में जाना जाता है। खैर वृक्ष वन माफिया के निशाने पर हमेशा रहते हैं। बुधवार भोर करीब चार बजे बनकटवा रेंजर शत्रोहन लाल को सूचना मिली कि कुछ लोगों ने खैर वृक्ष की कटान की है वे उसे लेकर भागने की फिराक में हैं। भोर चार बजे आसमान में काले बादल छाए थे। हल्की बूंदा बांदी हो रही थी। इसी बीच पिकअप पर लदे खैर के 11 बोटे के साथ करीब आठ लोग सवार होकर आ रहे थे। सूचना मिलने पर चौधरीडीह बरदौलिया मार्ग पर रेंजर शत्रुहन लाल, राज प्रताप, राजू व वन रक्षक के साथ टीम मौजूद थी। चौधरीडीह के आगे सुल्ताना गांव के पास टीम को एक पिकअप आती हुई दिखाई दी। इस पर वन विभाग टीम पिकअप को रोकनी उसके पहले ही वन माफियाओं ने वन विभाग टीम को देख लिया और वे पिकअप व खैर के बोटे छोड़ अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गए। वन विभाग टीम ने पिकअप को कब्जे में लेकर उसकी जांच की तो पाया कि उस पर 11 बोटे खैर के बोटे लदे हैं। साथ ही वन माफियाओं ने खैर बोटे को छिपाने के लिए भूसी भरी बोरियां पिकअप के पीछे लाद रखी थीं। वन रेंजर शत्रोहन लाल ने बताया कि 11 बोटे के साथ पिकअप को वन रेंज लाकर विधिक कार्रवाई कर रही है। वन माफियाओं की तलाश की जा रही है।

पत्नी को जलाने व कान काटने का आरोपी पति गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। महिला ग्राम प्रधान के साथ जुल्म की सारी हदें पार करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। 15 दिनों ने आरोपी खुद की पत्नी के साथ अत्याचार कर रहा था। घर में कैद रखा और शरीर को जलाया साथ ही कान भी काट दिया। महिला की तहरीर पर मंगलवार को पुलिस ने मामला दर्ज कया था।

इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम पटखौली कलां निवासी महिला ग्राम प्रधान श्रीदेवी पासवान (37) पर पति बलराम पासवान ने जुल्म की हद पार कर दी थी। आरोपी ने पत्नी महिला ग्राम प्रधान को पिछले 15 दिनों से घर में कैद कर रखा था और खाना पानी भी कभी कभार दे रहा था। मंगलवार सुबह आरोपी ने प्लास्टिक जला कर दोनों हाथों को जला दिया और चेहरे पर भी जलती प्लास्टिक डाल दी इससे महिला ग्राम प्रधान का चेहरा झुलस गया। इतने पर भी जब आरोपी का मन नहीं भरा तो उसने हंसिए से महिला का एक कान भी काट लिया। कैद से छूटकर महिला ग्राम प्रधान ने गांव के ही किसी के घर में छिपकर अपनी जान बचाई। महिला दुर्दशा देकर किसी ने इकौना पुलिस सूचित किया। इस पर प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर गए और महिला को को पुलिस जीप से सीएचसी इकौना में लाकर भर्ती कराया। पुलिस ने तहरीर लेकर आरोपी पति बलराम के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया और गिरफ्तारी के लिए दबिश में जुट गई। बुधवार को पुलिस ने इण्डियन बैंक समगढ़ा के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह, निरीक्षक दिलीप कुमार यादव, उपनिरीक्षक रामप्रसाद यादव, उपनिरीक्षक विशाल शुक्ला आदि शामिल रहे। आरोपी बलराम पुत्र मूने पासी थाना इकौना का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। जिसके विरुद्ध चोरी, लूट, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट सहित अन्य गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपित के विरुद्ध श्रावस्ती के इकौना थाने में आठ, कोतवाली भिनगा, थाना सोनवा व थाना सिरसिया में एक—एक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके साथ ही थाना कोतवाली नगर बहराइच व बहराइच के थाना पयागपुर में गुण्डा एक्ट, आर्म्स एक्ट आदि अपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी के विरुद्ध गंभीर धाराओं में कुल 14 मुकदमें दर्ज हैं। जो कई बार जेल भी जा चुका है।

कब्र से शव निकाल पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

संवाददाता—श्रावस्ती। एक अगस्त को हुई महिला की मौत का राज अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलेगा। एसडीएम की मौजूदगी में कब्र खोदकर शव बाहर निकाल पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। सोनवा थाना के गिलौली गांव निवासी शाकरून पत्नी सफीक की एक अगस्त को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। ससुराल पक्ष के लोगों ने बिना पोस्टमार्टम कराए आनन फानन में अंतिम संस्कार कर दिया था। इस पर मृतका की मां इसी थाना क्षेत्र के दिकौली निवासी मैका पत्नी हसन अली ने दो अगस्त को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि अपनी पुत्री शाकरून का निकाह पांच वर्ष पहले सफीक के साथ हुआ था। निकाह दोनों पक्षों की रजामंदी से हुआ और उसने क्षमतानुसार दहेज भी दिया। मां का आरोप था कि उसकी बेटी को पति समेत ससुराल के लोग आए दिन प्रताड़ित करते व मारपीट करते थे। हर बार बेटी मायके जाती तो शिकायत करती लेकिन मायके के लोग समझा बुझा कर फिर उसे भेज दिया करते थे। लेकिन एक अगस्त को ससुराली जनों ने शाकरून की हत्या कर दुपट्टे के सहारे फंदे से लटका दिया। घटना की सूचना किसी से जब मायके पक्ष को मिली तो वह मृतका के घर पहुंचे। मां का आरोप है कि उससे जबदस्ती सादे कागज पर अंगूठा लगवाकर शव को दफन कर दिया। जब वह थाने पहुंची तो ससुरालीजन उसे डरा धमका कर वापस ले गए। एसपी ने मृतका की मां की शिकायत का संज्ञान लेकर कार्रवाई पूरी कराई। बुधवार को एसडीएम व थाना प्रभारी की मौजूदगी में कब्र खोदकर शव बाहर निकलवाया गया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

सपाइयों ने की छात्र के परिजनों को एक करोड़ की सहायता की मांग

संवाददाता—देवरिया। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष व्यास यादव के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पर एडीएम वित्त एवं राजस्व को राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। इसमें आश्रम पद्धति विद्यालय के मृतक छात्र के परिजनों को एक करोड़ की सहायता देने की मांग की गई। ज्ञापन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय आश्रम पद्धति विद्यालय मेहरौना में फूड प्वायजनिंग से बीमार बच्चों के समुचित इलाज, गोरखपुर में भर्ती शिवम यादव पुत्र सदानंद यादव ग्राम भैसही रामनगर फरेंदा जिला महाराजगंज के निधन पर मृतक परिवार को एक करोड़ का मुआवजा, एक सरकारी नौकरी देने की मांग की गयी। जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने पढ़कर सुनाया। इस दौरान पूर्व प्रदेश सचिव बेचूलाल चौधरी, महासचिव मंजूर हसन, जिला उपाध्यक्ष श्याम बहादुर भारती, अम्बिका यादव, धर्मवीर गुप्ता, अर्जुन यादव, रामप्रीत यादव, आशुतोष यादव आदि मौजूद रहे।

सीएम योगी बोले- पड़ोसी मुल्कों में हिंदुओं को खोज कर मारा जा रहा है, हमें सनातन के लिए एक होना होगा

संवाददाता–अयोध्या। आज दुनिया की तस्वीर हम सभी देख रहे हैं। भारत का आस–पड़ोस जल रहा है, मंदिर तोड़े जा रहे हैं। हिंदुओं को चुन–चुनकर निशाना बनाया जा रहा है। तब भी हम इतिहास के तथ्यों को ढूंढने का प्रयास नहीं कर रहे कि वहां ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति क्यों पैदा हुई है। जो समाज इतिहास की गलतियों से सबक नहीं सीखता है, उसके उज्ज्वल भविष्य पर भी ग्रहण लगता है। सनातन धर्म पर आने वाले संकट के लिए फिर एकजुट होकर कार्य करने और लड़ने की आवश्यकता है। राम मंदिर का निर्माण मंजिल नहीं, पड़ाव है। इसे आगे भी निरंतरता देनी है। सनातन धर्म की मजबूती इन अभियानों को नई गति देती है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही। उन्होंने बुधवार को दिगंबर अखाड़ा में श्रीराम जन्मभूमि न्यास के पूर्व अध्यक्ष ब्रह्मलीन परमहंस रामचंद्र दास की 21वीं पुण्यतिथि पर उनकी मूर्ति का अनावरण किया। सीएम ने यहां पूजन–अर्चन व पौधरोपण भी किया। इसके पश्चात सीएम ने साधु–संतों संग भंडारे में प्रसाद भी ग्रहण किया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के परम भक्त पूज्य ब्रह्मलीन परमहंस रामचंद्र दास का पूरा जीवन रामजन्मभूमि के लिए समर्पित रहा। उन्होंने इस आंदोलन को जीवन का मिशन बनाया। संतों का संकल्प एक साथ एक स्वर में बढ़ा तो अयोध्या में मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। मेरा सौभाग्य है कि 21वर्ष बाद ही सही, उनकी प्रतिमा के स्थापना का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है।

सीएम योगी ने कहा कि गोरक्षपीठ गोरखपुर और दिगंबर अखाड़ा अयोध्या 1940 के दशक से एक दूसरे के पूरक बनकर कार्य करते थे। जब रामचंद्र दास महराज बचपन में अयोध्या धाम आए थे, तबसे उनका लगाव गोरक्षपीठ से था। तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ के सानिध्य में रहकर रामजन्मभूमि आंदोलन आगे बढ़ा। 1949 में रामलला के प्रकटीकरण के साथ ही तत्कालीन सरकार द्वारा प्रतिमा को हटाने की चेष्टा के खिलाफ न्यायालय में जाने और वहां से सड़क तक इस लड़ाई को बढ़ाने का कार्य गोरक्षपीठ व पूज्य संत परमहंस रामचंद्र दास जी महराज ने मिलकर किया। इसी का परिणाम है कि पूज्य संतों की साधना फलीभूत हुई और 500 वर्षों का इंतजार समाप्त हुआ। अयोध्या में रामलला विराजमान हुए। देश और दुनिया में अयोध्याधाम फिर से त्रेतायुग का स्मरण कराता दिख रहा है। यहां के संतों का गौरव बढ़ा और अयोध्या को नई पहचान मिली। सीएम योगी ने कहा कि जिस रामजन्मभूमि के बारे में लोग कहते थे कि अगर फैसला राम मंदिर के पक्ष में हुआ तो सड़कों पर खून की नदियां बहेंगी। संतों ने बातचीत से समस्या का हल निकालने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन जब बातचीत के रास्ते समाप्त हो गए और सरकार की हठधर्मिता आड़े आने लगी तो पूज्य संतों ने लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष का रास्ता चुना। इसके उपरांत देश के अंदर मजबूती से आंदोलन आगे बढ़ा। मामला न्यायालय में गया तो भाजपा की डबल इंजन सरकार बनने के उपरांत समस्या के समाधान का मार्ग निकला।

सीएम योगी ने कहा कि 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में पीएम मोदी ने अयोध्या में उच्चतम न्यायालय के आदेश के क्रम में भव्य मंदिर निर्माण कार्य का शिलान्यास व भूमि पूजन किया। 22 जनवरी 2024 को रामलला फिर से अयोध्या धाम में विराजमान हुए। यह तिथियां न केवल सनातन धर्मावलंबियों के लिए स्मरणीय बन गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा जब 22 जनवरी 2024 को रामलला विराजमान हुए तो पूज्य संतों की आत्मा को शांति प्राप्त हुई। उन्हें भी वर्तमान पीढ़ी पर विश्वास हुआ होगा कि यह सही दिशा में कार्य कर रही है। उनका आशीर्वाद पीएम मोदी को प्राप्त हुआ। सीएम ने कहा कि परमहंस रामचंद्र दास जी महराज मेरे पूज्य गुरु के तुल्य थे। गोरखपुर से अयोध्या, लखनऊ और प्रयागराज जाते समय गुरु जी मुझसे पूछते थे कि अयोध्या के दिगंबर अखाड़ा गए थे, परमहंस जी का हालचाल लिया। मैं यदि भूल गया तो वे मुझे डांटते भी थे। कहते थे वह मेरे लिए गुरु भाई हैं। जब भी इस रास्ते जाता था तो मुझे पता था कि मेरे गुरुदेव पूछेंगे कि परमहंस जी की तबियत कैसी है, मेरे पास जवाब नहीं होता था, इसलिए पहले मैं उनके पास पहुंचकर हालचाल लेता था। वह अपने दरवाजे पर बैठकर मस्ती के साथ लोगों से बातचीत करते थे। लोग समझ नहीं पाते थे यह संत दिव्य, भव्य, चमत्कारिक व नेतृत्व करने वाले हैं। उनका वात्सल्य भी हमें देखने को मिलता था। उन्होंने अपना जीवन लक्ष्य, मूल्यों, सनातन धर्म की परंपरा के लिए जिया था। वह कहते थे कि अयोध्या में रामलला का मंदिर बने, यही मेरे जीवन का अंतिम संकल्प है।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में अनेक प्रयास भी किए गए हैं। इसने संतों का गौरव बढ़ाया है और अयोध्यावासियों को पहचान दिलाया है। हमें इस सम्मान को बरकरार रखने का प्रयास करना है। मिले हुए सम्मान को संरक्षित व सुरक्षित करने में हमारा प्रयास सार्थक हुआ तो लंबे समय तक इस सम्मान के पात्र बने होंगे। डबल इंजन सरकार यही कार्य कर रही है। एक तरफ रामजन्मभूमि परिसर में मंदिर का निर्माण हो रहा है। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट जनसहयोग से जनभावना के अनुरूप मूर्त रूप दे रहा है तो बाहर अयोध्या का सुंदरीकरण भी हो रहा है। पांच–सात वर्ष बाद अयोध्या आने वाले लोग अचंभित हैं। यहां इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सौगात मिली है। देश–दुनिया से अयोध्या धाम की कनेक्टिविटी बढ़ी है। रेलवे की बेहतरीन सुविधा प्राप्त हुई है। राम की पैड़ी, मठ–मंदिरों के सुंदरीकरण का कार्य हुआ।

सीएम ने कहा कि हमें जातिवाद व छूआछूत से मुक्त ऐसे समाज की स्थापना करनी है, जिसके लिए प्रभु श्रीराम ने अपना जीवन समर्पित किया था। निषाद राज के नाम पर अयोध्या के यात्री विश्रामालय बन रहे हैं। श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या धाम में महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बना है। यात्रियों के लिए लगने वाले भंडारे की रसोई का नाम माता शबरी के नाम पर है। प्रभु श्रीराम ने सबको जोड़ा था और हमें भी प्रभु राम के मूल्यों–आदर्शों के जरिए उन मार्गों का अनुसरण करना होगा। प्रभु राम का भक्त बनने के लिए हमें भी उनके आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिए। कार्यक्रम में दिगंबर अखाड़ा के महंत सुरेश दास, जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य जी महराज, राघवाचार्य जी महराज, धर्मदास जी महराज, विजय कौशल जी महराज, रामलखन दास जी महराज, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मनोहर लाल श्मन्नू कोरीश, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, वेद प्रकाश गुप्त, अमित सिंह चौहान, रामचंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

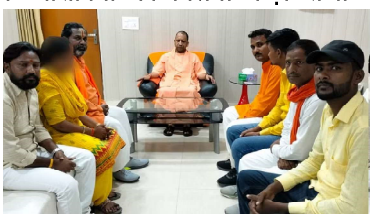

निषाद समाज के प्रतिनिधियों से मिले सीएम योगी, बोले– अयोध्या गैंगरेप के आरोपियों को मिलेगी कड़ी सजा

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या सामूहिक दुष्कर्म के मामले में योगी सरकार द्वारा की जा रही कार्रवाई पर निषाद समाज ने संतुष्टि जताई है। बुधवार सुबह निषाद समाज के प्रतिनिधियों ने अयोध्या में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। वहीं मुख्यमंत्री ने भी सभी को आश्वस्त किया कि बालिका के साथ हुए शर्मनाक कृत्य के दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलेगी, इसमें किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। तकरीबन 15 मिनट चली मुलाकात के दौरान निषाद समाज के आधा दर्जन प्रतिनिधियों ने आरोपी सपा नेता के खिलाफ हो रही कार्रवाई को उचित ठहराया। बता दें कि भदरसा कस्बे में नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में फैजाबाद के सांसद अवधेष प्रसाद का करीबी और सपा नेता मुईद खान और उसके नौकर राजू को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान घटना की कठोर शब्दों में भर्त्सना करते हुए दोषियों को न बख्शने की बात कही थी, साथ ही समाजवादी पार्टी की इस बात की निंदा भी की थी कि उनकी ओर से आरोपियों को लेकर सॉफ्ट कार्नर है। वहीं मुख्यमंत्री ने पीड़िता की मां से मुलाकात करके कठोर से कठोर कार्रवाई का भरोसा दिया था। साथ ही सीएम के निर्देश पर राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य ने भी पीड़िता और उसके परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया था। इसके अलावा मुख्यमंत्री की ओर से पीड़िता के परिवार की मदद के लिए तत्काल पांच लाख रुपए की धनराशि मुहैया कराई गई थी। वहीं भारतीय जनता पार्टी के प्रधिनिधि मंडल ने भी पीड़िता और उसके परिजनों से मुलाकात करके योगी सरकार द्वारा आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का भरोसा दिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर न केवल पूराकलंदर थानाध्यक्ष रतन शर्मा व भदरसा चौकी इंचार्ज अखिलेश गुप्ता को सस्पेंड किया गया, बल्कि मुख्य आरोपी की संपत्ति की जांच भी शुरू की गई। जिसके बाद राजस्व विभाग को मुख्य आरोपी सपा नेता मुईद खान की तकरीबन आधा दर्जन अवैध संपत्तियों का पता लग चुका है। वहीं मुख्य आरोपी की बेकरी पर हुए अवैध निर्माण पर योगी सरकार का बुलडोजर भी चल चुका है। माना जा रहा है जल्द ही उसकी अन्य संपत्तियों पर सरकार का बुलडोजर गरज सकता है। इसके अलावा पीड़िता और उसके परिवार को धमकी देने के मामले भदरसा नगर पंचायत के चेयरमैन सहित तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

योगी सरकार की ओर से दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार की मदद पर संतोष व्यक्त करने पहुंचे निषाद समाज के प्रनिधियों में महंत रामसेवक दास निषाद, अंजू निषाद, दुर्गा प्रसाद निषाद, संदीप निषाद, मंजीत निषाद, आशाराम निषाद और विष्णु निषाद शामिल रहे। अयोध्या में निषाद समाज के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करने के बाद मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया है कि पीड़िता और उसके परिवार की सुरक्षा सरकार के शीर्ष प्राथमिकता पर है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया, श्श्आज श्री अयोध्या धाम में भदरसा क्षेत्र की नाबालिग पीड़िता प्रकरण के विषय में एक सामाजिक प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। आश्वस्त रहें, पीड़िता को हर स्थिति में न्याय दिलाने हेतु हम प्रतिबद्ध हैं। पीड़िता और उसके परिवार की सुरक्षा हमारी शीर्ष प्राथमिकता है। आपकी सरकार पूरी सक्रियता और संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। मानवता को शर्मसार करने वाली इस घटना के दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई होगी।

एमएमएमयूटीः दो छात्राओं को समान अंक, टाईब्रेकर में हुआ टॉपर का फैसला

संवाददाता–गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 29 अगस्त को आयोजित होने वाले 9वें दीक्षांत समारोह से टॉपर्स लिस्ट तैयार करने के दौरान अनोखा मामला सामने आया है। बीटेक सिविल इंजीनियरिंग की दो छात्राओं को एक समान अंक मिले थे। टाईब्रेकर में इसका फैसला किया गया। बीटेक में पहली बार टाईब्रेकर में पहुंचे इस केस में पल्लवी सिंह सिविल इंजीनियरिंग विभाग की टॉपर बनी हैं। एमएमएमयूटी में सत्र 2023–24 में सिविल इंजीनियरिंग विभाग में दो छात्राओं क्रमशरू पल्लवी सिंह और निधि मिश्रा ने एक समान 9.13 सीजीपीए प्राप्त किया था। किसी एक को विद्यार्थी को ही टॉपर घोषित किया जाता है। इसे देखते हुए कुलपति प्रो. जेपी सैनी के संज्ञान में यह मामला लाया गया। कुलपति ने इसके लिए चार सदस्यीय समिति गठित की थी। समिति में प्रो. एएन तिवारी, प्रो. एसपी सिंह, डॉ राजन मिश्र और डॉ हरीश चन्द्र शामिल थे। समिति ने अपनी रिपोर्ट विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंप दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने रिपोर्ट के आधार पर टॉपर के रूप में पल्लवी सिंह को चुना है। रिपोर्ट के मुताबिक पल्लवी सिंह ने विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था, जबकि निधि मिश्रा ने लेटरल एंट्री के जरिए दूसरे वर्ष में प्रवेश लिया था। दोनों के बीटेक में समान अंक होने के कारण द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष के प्राप्तांक का मिलान किया गया। इसमें पल्लवी सिंह को अधिक अंक मिले थे। इसके बाद पल्लवी को टॉपर घोषित कर दिया गया। समिति ने सिफारिश की थी कि समान अंक होने पर अंतिम तीन वर्ष का परिणाम देखा जाए। इसमें भी टाई हो जाने पर प्रैक्टिकल वाले विषय का अंक हटाकर थ्योरी के अंकों के आधार पर टॉपर घोषित किया जाए। वहां भी रिजल्ट टाई हो जाने पर इलेक्टिव पेपर को हटाकर प्राप्तांक का मिलान हो। एमएमएमयूटी में बीटेक में टाईब्रेक से टॉपर चुने जाने का यह पहला मामला है। इसके पहले वर्ष 2022 में एमटेक में टाईब्रेकर से टॉपर का चयन किया गया था। तब दोनों विद्यार्थियों के एक समान अंक होने पर पहले, दूसरे और तीसरे सेमेस्टर के अंकों के आधार पर टॉपर चुना गया था। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग की उदिशा सिंह बीटेक की ओवरऑल टॉपर बनी हैं। उन्हें बीटेक में कुल 9.40 सीजीपीए प्राप्त हुआ है। ओवरऑल टॉपर बनने पर विश्वविद्यालय का कुलाधिपति पदक उदिशा सिंह को मिलेगा। इसके अलावा कुलपति पदक समेत आधा दर्जन पदक भी मिलेंगे। एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो जेपी सैनी ने बताया कि सिविल में दो छात्राओं को एक समान अंक मिले थे। इसे देखते हुए समिति गठित की गई थी। टाईब्रेकर में समिति की रिपोर्ट के आधार पर टॉपर का फैसला किया गया।

हत्यारोपी महिला का जमानत प्रार्थना पत्र जिला जज ने किया निरस्त

संवाददाता–संतकबीरनगर। हत्यारोपी महिला का जमानत प्रार्थना पत्र जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम की कोर्ट ने निरस्त कर दिया । कोतवाली खलीलाबाद थानाक्षेत्र के महुई हत्याकांड में एक ही परिवार के चार सगे भाई, भाभी और जीजा को धर्मेन्द्र यादव के हत्या का आरोपी बनाया गया है। महिला आरोपी सत्या यादव पर ललकारने का आरोप लगाया है ।

जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि प्रकरण में मृतक धर्मेन्द्र यादव की पत्नी सुमन यादव ने अभियोग पंजीकृत कराया है । उसका आरोप है कि उसके परिवार से गांव के बोधनाथ यादव के परिवार से जमीनी रंजिश है । इसी रंजिश को लेकर गांव के बोधनाथ यादव , इन्द्रजीत यादव , गोरखनाथ यादव व शेषनाथ यादव पुत्रगण रुदल यादव तथा बोधनाथ यादव के जीजा पन्ने लाल यादव पुत्र पारसनाथ यादव निवासी ग्राम बेलाडीह थाना महुली 8 जून 2024 को समय 6 बजे शाम को उसके घर आए तथा हत्या करने के इरादे से पति धर्मेन्द्र यादव को बुलाए कि कुछ बात करनी है । पति घर से बाहर निकले , उसी समय बोधनाथ यादव व इन्द्रजीत यादव ने पति को गोली मार दिया । जिससे वह गिर गए । परिवार के योगेन्द्र , धर्मदेव , सुशील उर्फ रिंकू व बजरंगी बचाने आए तो गोरखनाथ यादव, शेषनाथ यादव व पन्नेलाल यादव जान से मारने के इरादे से तलवार से मारने लगे ।

बोधनाथ यादव की पत्नी सत्या यादव ललकार रही थी कि सभी की हत्या कर दो । कोई बचने न पाए । आरोपी सत्या यादव के जमानत प्रार्थना पत्र का जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव तथा वादिनी के अधिवक्ता सुनील चौधरी ने विरोध किया । जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात आरोपी सत्या यादव का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया।

भाजपा पदाधिकारियों से बोले सीएम योगी, एकजुट होकर चुनाव के लिए करें तैयारी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिले के एक दिवसीय दौरे पर पहुंच गए हैं। पड़ोसी जनपद अयोध्या में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद सीएम दोपहर साढ़े 12 बजे करीब सीधे अकबरपुर हवाई पट्टी आए। यहां उनका एमएलसी हरिओम पांडेय, बीजेपी जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी, जिप अध्यक्ष साधू वर्मा, डीएम अविनाश सिंह, एसपी डॉ कौस्तुभ, पूर्व सांसद रितेश पांडेय आदि ने स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी वीवीआईपी गेस्ट हाउस पहुंचे जहां उन्होंने भाजपा नेताओं के साथ बैठक की।

सीएम ने 40 मिनट तक चली बैठक में कटेहरी उपचुनाव को लेकर ही मुख्य रूप से चर्चा की। उन्होंने जीत के लिए सभी से जुट जाने के लिए कहा। बूथवार तैयारी का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि मतदाताओं से संपर्क साधने को प्राथमिकता दी जाए। उन्हें बताया जाए कि किस तरह उनके हित में काम किए जा रहे हैं।

समय से हुई जानकारी तो खाते से पैसा वापस कराने की होती है गारंटी

संवाददाता–गोरखपुर। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि साइबर जालसाजी की समय से जानकारी होने पर पीड़ित का पैसा वापस कराया जा रहा है। हालांकि, अपराधियों को पकड़ पाना पुलिस के लिए अब भी चौलेंज है। साइबर अपराधी देश के अलग–अलग हिस्सों के साथ ही विदेश से कॉल कर जालसाजी कर रहे हैं। उनसे बचने के लिए जागरुकता ही कारगर हथियार है। अगर, हम जागरुक और सतर्क हैं तो हम उन्हें हरा सकते हैं। उनका मनोबल पैसा ट्रांसफर कराने से ही बढ़ता है। वह म्यूल एकाउंट में पैसा ट्रांसफर कराते हैं, एकाउंट होल्डर पकड़ा जाता तो भी कुछ हासिल नहीं होता, कई बार तो उसे पता नहीं होता कि उसका खाता जालसाजी के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। मूल जालसाज तक पहुंच पाना आसान नहीं होता है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि इन दिनों कई तरीके से फ्राड किए जा रहे हैं। इनमें हाल में पार्सल से जुड़े फ्राड सबसे ज्यादा हो रहे हैं। नारकोटिक्स, सीबीआई, ईडी, कस्टम आदि विभाग और एजेंसियों का नाम लेकर जालसाज दबाव में ले रहे हैं। आधार कार्ड इस्तेमाल होने की बात कहकर जाल में फंसा रहे हैं। फिर खुद ही इससे निकलने का रास्ता बताकर पैसा ट्रांसफर करा ले रहे हैं। फ्राड करने वाले इतने दूर होते हैं कि कभी–कभी जानकारी के बाद भी उन तक पहुंच पाना आसान नहीं होता है। विदेश तक से कॉल आ रही हैं। एसपी सिटी ने शहर के एक डॉक्टर के पास आई कॉल का हवाला देकर बताया कि उनके पास पाकिस्तान से कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने कहा कि उनका बेटा रेप में फंस गया है।

लेखपाल निलंबित, राजस्व निरीक्षक पर लटकी तलवार

संवाददाता–संतकबीरनगर। मेंहदावल कस्बे के बाराखाल मोहल्ले में लेखपाल व कानूनगो द्वारा जिंदा व्यक्ति को मुर्दा बनाकर दूसरे के नाम भूमि का वरासत करने के मामले में एसडीएम मेंहदावल ने कार्रवाई किया है। मामले में आरोपी लेखपाल हरिशंकर विश्वकर्मा को निलम्बित करते हुए राजस्व निरीक्षक लल्लन प्रसाद के खिलाफ कार्रवाई को लेकर डीएम को रिर्पोट भेजा है। सोमवार को पीड़ित ने डीएम महेन्द्र सिंह तवंर से मुलाकात कर साक्ष्य रखते हुए अपनी पीड़ा सुनाई थी। जिस पर डीएम ने एसडीएम से मामले स्पष्ट आख्या मांगते हुए पत्रावली पेश करने का निर्देश दिया था। जिंदा होते हुए भी कागज में मार दिए गए कस्बे के बाराखाल मोहल्ला निवासी पीड़ित श्रीधर पुत्र मिठाई ने सोमवार को डीएम महेन्द्र सिंह तवंर से मुलाकात करते हुए अपनी पीड़ा सुनाई थी। डीएम को सौंपे प्रार्थना–पत्र में उन्होंने लिखा था कि मोहल्ले में उनके नाम से गाटा संख्या 185 संक्रमणीय भूमि है। जिस पर वह काबिज है। बाराखाल मोहल्ले में ही वह निवास करते हैं। कुछ समय पहले हल्का लेखपाल हरिशंकर विश्वकर्मा तथा राजस्व निरीक्षक लल्लन प्रसाद द्वारा मोहल्ले के कुछ लोगों के साथ मिलकर धोखाधड़ी करते जिंदा रहने के बाद भी कागज में मृतक बना दिया गया। कूटरचित तरीके तीन अन्य लोगों के नाम से भूमि का वरासत कर दिया। मामले का पता चला तो हल्का लेखपाल से शिकायत किया। जिस पर उन्होंने भूमि को कीमती होना बताते हुए वरासत को ठीक कराने के नाम पर दो लाख रुपए रिश्वत की मांग किया जाना लगा। पैसा नहीं देने पर लेखपाल द्वारा भूमि के वरासत में सुधार नहीं किया गया। पीड़ित श्रीधर ने 26 जुलाई को एसडीएम उत्कर्ष सामने पेश होकर अपने जिंदा होने का सबूत देते हुए भूमि के दस्तावेज सौंपने की बात कही थी। कहा था कि बार–बार तहसील का चक्कर काटने के बाद भी कार्रवाई नही की जा रही है। जिस पर डीएम महेन्द्र सिंह तवंर ने मामले को गम्भीर मानते हुए एसडीएम से मामले से जुड़े सभी पत्रावलियों को पेश करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही स्पष्ट आख्या देने को कहा था। डीएम के सख्त तेवर देख मंगलवार को एसडीएम उत्कर्ष श्रीवास्तव ने लेखपाल हरिशंकर विश्वकर्मा को निलम्बित कर दिया। साथ ही राजस्व निरीक्षक पर कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है। जिंदा को मृतक दिखा वरासत करने के मामले में आरोपी लेखपाल हरिशंकर विश्वकर्मा को निलम्बित कर दिया गया है। राजस्व निरीक्षक लल्लन प्रसाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी को रिर्पोट भेजा गया है। पूरे मामले की जांच के लिए नायब तहसीलदार को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नवजात बच्चे के शव को नोच रहे थे कुत्ते, सड़क किनारे पड़ा मिला

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर कोतवाली थानाक्षेत्र के बक्शीपुर में बुधवार सुबह सड़क किनारे सुबह नवजात शिशु मिला। मुफ्तीपुर मोहल्ले में सड़क किनारे ट्रांसफार्मर किनारे शव को कुत्ते नोच रहे थे। स्थानीय लोगों की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस नवजात के शव को कब्जे में लेकर जांच कर रही है। पहली बार ऐसा मामला सामने आया है कि सड़क किनारे नवजात शिशु को किसी ने फेंक दिया हो। स्थानीय लोगों के बताया कि नवजात बालक का शव था।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. इण्टर मीडिएट वर्ष 2011 अनुक्रमांक 1292775 का अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(पन्नेलाल)
पुत्र– मोतीराम
ग्राम– परसवा पोस्ट– सोनखर
जनपद बस्ती (उ.प्र.)
मो0 9918378991

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त मूसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिग्री एकतर्फा
(आर्डर 9 कायदा 13)
अदालत–सिविल दशम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
इजरा सं0– 14/2019

रामचेत आदि
बनाम
रामफेर आदि

1. रामफेर मृतक दौरान अपील उम्र करीब 55 साल पुत्र पल्टू
1/1 श्रीमती बन्सराजी मृतक उम्र करीब 70 साल बेवा रामफेर 1/2 कमलेश मृतक पुत्र स्व0 रामफेर 1/3 हरिकेश 1/4 श्रीराम पुत्रगण स्व0 रामफेर साकिनान बहादुरपुर तप्पा पिलाई परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम राजाजोत कला तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
1/2/1 त्रिभुवन 1/2/2 रनजीत पुत्रगण स्व0 कमलेश 1/2/3 गायत्री देवी बेवा स्व0 कमलेश 1/2/4 पूजा उम्र 15 साल 1/2/5 काजल उम्र 13 साल नावालिगान पुत्रीगण कमलेश जरिये गायत्री देवी माता स्वयं साकिनान बहादुरपुर तप्पा पिलाई परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम राजाजोत कला तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया डाकखाना कप्तानगंज जिला–बस्ती
2. राम निहाल मृतक पुत्र पल्टू 2/1 करोड़पती पत्नी रामनिहाल 2/2 उर्मिला 2/3 संगीता 2/4 परमिला पुत्रीगण राम निहाल साकिनान बहादुरपुर तप्पा पिलाई परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 3. झिनकान पुत्र पल्टू निवासी ग्राम बहादुरपुर तप्पा पिलाई परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 4. मु0 नन्हका मृतक बेवा कलपी 5. गोप्तार मृतक पुत्र रामसमुझ निवासीगण राजाजोत कला तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया डाकखाना कप्तानगंज जिला–बस्ती

तारीख पेशी 29–08–2024

हरगाह मुद्दाअलेह मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिग्री एकतरफा मुवरिखा जो साकिन मजकुरूसदर में साबित हो चुकी है पेश की है। लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस में बतारीख 29 माह 08 सन 2024 या बजरिये वकील अदालत हाजा या बजरिये मुख्तार मजाज हुक्म जाप्ता और वाकिफ हाजा मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) हाजिर करें कि नाममुद्दई की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 07 माह 08 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 230/2022
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

जियाउर्रहमान
बनाम
सीमा पाल आदि

2. विट्टन पत्नी शिवसेवक तिवारी ग्राम गहरू कानपुर रोड थाना सरोजनी नगर अमौसी लखनऊ पिन कोड 226008 (कथित स्वामी वाहन सं0 UP 33 /AT 4545)
4. शिवसेवक तिवारी पुत्र भगवती प्रसाद तिवारी ग्राम गहरू कानपुर रोड थाना सरोजनी नगर अमौसी लखनऊ पिन कोड 226008 (चालक वाहन सं0 UP 33/ AT 4545)

तारीख पेशी 08–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस
(धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1)
न्यायालय– श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला–बस्ती
भरण पोषण प्रार्थना पत्र सं0– 510/11/2022
थाना–मुण्डेरवा
जिला–बस्ती

ज्ञानमती
बनाम
धर्मात्मा

तारीख पेशी 20–09–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 दं0प्र0सं0

विपक्षी–धर्मात्मा उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र बजरंगी साकिन गरथवलिया थाना कोतवाली खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
विपक्षी
के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी. आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 09 मास के 20 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर
अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com